दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 विवाद में 'आप' नेता की मौत

5 गोरखपुर में अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

8 बीसीसीआई में बड़ा फेरबदल

UPHIN/2023/90814 | वर्ष: 03, अंक: 10 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 01 सितम्बर ,2025

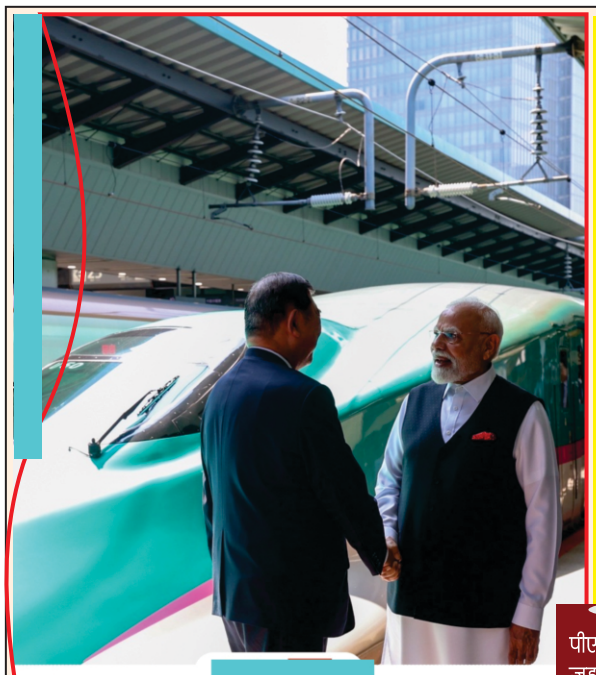

पीएम मोदी ने जापान के पीएम के साथ किया बुलेट ट्रेन में सफर

पीएम मोदी इन दिनों जापान दौरे पर हैं जहां दूसरे दिन उन्होंने जापानी प्रधानमंत्री के साथ बुलेट ट्रेन की सवारी की। इस यात्रा की पहली झलक सामने आ गई है जिसमें दोनों नेता ट्रेन में सफर करते नजर आ रहेहैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस वक्त जापान के दौरे पर हैं. उन्होंने आज जापान के प्रधानमंत्री शिंगेरू इशिबा के साथ बुलेट ट्रेन की सवारी की. वे 400 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलने वाली इस ट्रेन से शेंडई तक गए. उनकी ये यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वे यही रफ्तार भारत के ट्रैक पर भी चाहते हैं।

साइंस फिक्शन से कम नहीं है वो ट्रेन, जिसमें पीएम मोदी ने की सवारी, 400km की रफ्तार पर शोर जीरो

गोरखपुर में ट्रक ड्राइवर को आई झपकी बोलेरो को मारी टक्कर

बाल-बाल बची चालक की जान

संवाददाता भटहट (गोरखपुर)। गुलरिहा थाना क्षेत्र के बरगदहीं के समीप शुक्रवार की रात लगभग 11 बजे सड़क किनारे खड़ी बोलेरो को ट्रक चालक ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दिया। गनीमत रहा की बोलेरो चालक कूद कर किसी प्रकार अपनी जान बचा ली, लेकिन गाड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई । भटहट पुलिस चौकी पर तैनात उप निरीक्षक अनूप कुमार चौधरी ने बताया कि बरगदहीं के समीप तुरा नाल पुलिया के आगे बोलेरो चालक गाड़ी खड़ी कर लघु शंका कर रहा था , इसी दौरान पीछे से आ रही ट्रक के चालक को अचानक झपकी आ गई और उसने खड़ी बोलेरो को पीछे से टक्कर मार दिया। इस बीच बोलेरो चालक किसी प्रकार गाड़ी से कूद कर अपनी जान बचाने में कामयाब हो गया। उसके हाथ में हल्की चोट आई है। दोनों ही चालक मौके पर नहीं मिले। गाड़ी नंबर से जांच करने पर ट्रक विनोद राय थाना खोराबार के नाम से दिख रहा है। वहीं बोलेरो सिविल लाइंस गोरखपुर के रामनिवास के नाम से दर्ज है । पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है ।

जम्मू-कश्मीर में फिर आसमानी आफत, रामबन-रियासी में फटा बादल, 12 की मौत, कई लापता

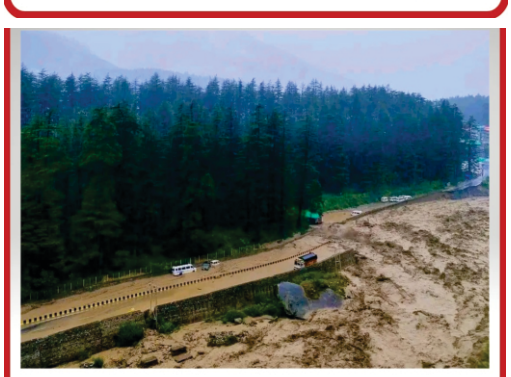

शिमला में फ्लैश फ्लड, मणिमहेश में अब भी हजारों फंसे, चंडीगढ़-मनाली एनएच पर फिर लैंडस्लाइड

ट्रंप के टैरिफ अवैध

संघीय अपीलीय अदालत का ट्रंप के टैरिफ पर रोक लगाने का फैसला क्यों अहम है

दिल्ली,एजेंसी। कोर्ट ने निचली अदालत के निर्णय पर मुहर लगाने के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति की शक्तियों को लेकर क्या कहा है? संघीय अदालत के फैसले का क्या असर होगा? भारत के लिए यह फैसला कितनी राहत लेकर आया है? ट्रंप के टैरिफ पर अब आगे क्या होगा? आइये जानते हैं...अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से दुनिया के अलग–अलग देशों पर लगाए गए टैरिफ को वॉशिंगटन की एक संघीय अपीलीय अदालत ने अवैध करार दे दिया है। कोर्ट ने निचली अदालत के फैसले पर मुहर लगाते हुए कहा कि ट्रंप की तरफ से लगाए गए अधिकतर आयात शुल्क गैरकानूनी हैं। इस दौरान कोर्ट ने इस ताकत का इस्तेमाल करने की राष्ट्रपति की शक्तियों पर भी सवाल उठाया।

क्या संघीय अदालत के फैसले से दुनिया की अधिकतर अर्थव्यवस्थाओं पर असर?

गौरतलब है कि ट्रंप प्रशासन की तरफ से अपने व्यापार साझेदारों पर कम से कम 10 फीसदी टैरिफ लगाया गया है। वहीं, भारत और ब्राजील जैसे देशों पर अमेरिका की तरफ से लगाए गए टैरिफ की दर अब 50 फीसदी हो चुकी है। हालांकि, अमेरिकी संघीय अदालत का फैसला दुनिया की अधिकतर अर्थव्यवस्थाओं के लिए राहत भरा फैसला बनकर आया है।

ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर संघीय अपीलीय अदालत का ट्रंप के टैरिफ पर रोक लगाने का फैसला क्यों अहम है? कोर्ट ने निचली अदालत के निर्णय पर मुहर लगाने के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति की शक्तियों को लेकर क्या कहा है? संघीय अदालत के फैसले का क्या असर होगा? भारत के लिए यह फैसला कितनी राहत लेकर आया है? ट्रंप के टैरिफ पर अब आगे क्या होगा? आइये जानते हैं...

ट्रंप के टैरिफ के खिलाफ क्यों अहम है संघीय कोर्ट का फैसला?

संघीय अदालत का फैसला ट्रंप के उस वैश्विक व्यापार ढांचे को बदलने की कोशिश पर बड़ा अवरोध है, जिसके जरिए वह अमेरिका के साथ व्यापार करने वाले देशों पर टैरिफ लगाकर ज्यादा से ज्यादा राजस्व जुटाने का मौका ढूंढ रहे थे। कोर्ट के फैसले के बाद अब ट्रंप की तरफ से लगाए गए टैरिफ पर रोक लगना लगभग तय माना जा रहा है। हालांकि, व्हाइट हाउस कई बार कह चुका है कि वह टैरिफ के खिलाफ दिए गए किसी भी फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगा।

संघीय अदालत ने ट्रंप के टैरिफ के फैसले–राष्ट्रपति की शक्तियों पर क्या कहा?

संघीय अपीलीय अदालत ने अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से आपातकाल में मिलने वाली शक्तियों के गलत इस्तेमाल की बात कही। 11 जजों की पीठ में 7 जजों ने ट्रंप के टैरिफ लगाने के फैसले को गैरकानूनी करार दिया, वहीं 4 जजों के फैसले असहमति वाले थे।

देश	पहले टैरिफ	7 अगस्त के बाद
यूरोपीय संघ	30	15
मैक्सिको	30	–
कनाडा	35	–
चीन	245	30
जापान	25	15
दक्षिण कोरिया	25	15
वियतनाम	45	20
ब्रिटेन	–	10
भारत	26	25
ब्राजील	10	50
थाईलैंड	36	19
मलेशिया	25	19
इंडोनेशिया	32	19

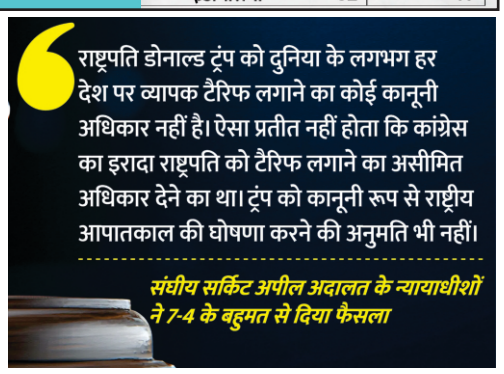

बहुमत के फैसले में अदालत ने कहा, "क्योंकि हम सहमत हैं कि आपातकाल कानून (अंतरराष्ट्रीय आपातकाल आर्थिक शक्ति कानून) राष्ट्रपति को आयात पर नियम बनाने की शक्ति देता है, लेकिन यह उन्हें कार्यकारी आदेशों के जरिए टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं देता।"

कोर्ट ने कहा, "टैक्स और टैरिफ लगाने की शक्तियां संविधान की तरफ से सिर्फ और सिर्फ विधायी शाखा–संसद (कांग्रेस) के पास है। ट्रंप ने अपने सबसे व्यापक टैरिफ लागू करते समय जिस कानून का सहारा लिया, वह असल में उन्हें आयात शुल्क लागू करने की शक्ति नहीं देता है।"

"जब संसद ने आईईईपीए कानून तैयार किया था, तब इसमें टैरिफ, शुल्क या टैक्स जैसे शब्द नहीं रखे। इस तरह के शब्द न होने की वजह से तय तौर पर संसद राष्ट्रपति को मिलने वाली असीमित ताकत को सीमित करना चाहता था।"

सम्पादकीय

प्रकृति के संकेत की अनदेखी

लगातार कई दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश ने जम्मू क्षेत्र में तबाही मचा दी है। मंगलवार को वैष्णो देवी मंदिर के मार्ग पर भूस्खलन में 32 लोगों की मौत हो गई है, ये आंकड़ा बढ़ भी सकता है, क्योंकि कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। प्रशासन के मुताबिक लगातार और भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में कम से कम 20 लोग घायल हुए हैं, जिनका विभिन्न अस्पतालों में इलाज हो रहा है। गौरतलब है कि मंगलवार को दोपहर करीब 3 बजे भूस्खलन हुआ और पहाड़ की ढलान से पत्थर, शिलाखंड और चट्टानें एकदम से नीचे गिरने लगीं। इससे बेखबर लोग इसकी चपेट में आ गए। घटना के बाद वैष्णो देवी मंदिर की तीर्थयात्रा स्थगित कर दी गई। मंदिर तक जाने के दो मार्ग हैं, जिसमें हिमकोटि पैदल मार्ग पर सुबह से यात्रा स्थगित कर दी गई थी, जबकि पुराने मार्ग पर दोपहर डेढ़ बजे तक यात्रा जारी थी। अब भारी बारिश के अंदेशे के बीच यात्रा अगले आदेश तक स्थगित करने का फैसला किया गया है। हालांकि यही समझ पहले दिखाई गई होती तो शायद 32 लोग अकाल मौत न मरते। जब लगातार तेज बारिश हो रही थी तो यात्रा जारी रखने की लापरवाही क्यों बरती गई। पहाड़ी इलाकों में बारिश का कहर लगातार बरप रहा है, फिर भी सरकार इस तरफ से सचेत क्यों नहीं हो रही, यह समझ से परे है। सरकार जिम्मेदार इससे पहले 14 अगस्त को किश्तवाड़ जिले के मचैल माता मंदिर के रास्ते में पड़ने वाले आखिरी गांव चशोती में बादल फटने के कारण अचानक बाढ़ आ गई, जिसमें कम से कम 65 लोगों की मौत हो गई और भीषण तबाही का मंजर सामने आया। मरने वालों में ज्यादातर तीर्थयात्री थे। इस प्राकृतिक आपदा में 100 से अधिक लोग घायल हो गए तथा 32 लोग अब भी लापता हैं। जम्मू–कश्मीर के अलावा हिमाचल प्रदेश और पंजाब भी बाढ़ और भूस्खलन की चपेट में हैं। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में पिछले महीने ही बाढ़ से काफी तबाही हुई थी। अब एक बार फिर हालात गंभीर हैं। भारी बारिश के कारण प्रदेश के 8 जिलों में सभी शिक्षण संस्थानों में छुट्टी कर दी हई है। वहीं ब्यास नदी का जलस्तर अचानक इतना बढ़ गया कि नदी चंडीगढ़–मनाली नेशनल हाईवे पर बहने लगी। मनाली के बाहंग में कुछ दुकानें, घर और शेरे–ए–पंजाब होटल नदी में बह गए। फिलहाल नदियों का जलस्तर बढ़ने से मंडी, कांगड़ा, चंबा और कुल्लू में रेड अलर्ट जारी किया गया है, चंबा में मणिमहेश यात्रा रोक दी गई है। लेकिन इससे पहले मणिमहेश यात्रा के दौरान ऑक्सीजन की कमी के चलते पंजाब के चार श्रद्धालुओं की मौत भी हो गई। आंकड़े बताते हैं कि जून से अगस्त तक बारिश से जुड़ी घटनाओं में 156 लोगों की मौत हो गई है और 38 लापता हैं। जबकि राज्य को 2,394 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।वहीं मूसलाधार बारिश के बीच लाहौल–स्पीति, शिंकुला दर्रा, बारालाचा, खरदूंगला और रोहतांग जैसे ऊंचाई वाले इलाकों में सीजन की पहली बर्फबारी हुई है। शिंकुला दर्रे में अब तक करीब आठ इंच बर्फ गिर चुकी है। इस बर्फबारी को देखते हुए इलाके में शीतलहर का असर बढ़ गया है। बता दें कि हिमाचल प्रदेश में अगस्त में अब तक सामान्य से 44 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू–कश्मीर में भारी बारिश के कारण पंजाब की नदियां उफान पर हैं। पंजाब के कई जिलों में बाढ़ की स्थिति बन गई है। भारी बारिश और बाढ़ के कारण गुरदासपुर के जवाहर नवोदय विद्यालय के 400 छात्र और 40 स्टाफ स्कूल परिसर में ही फंस गए। बाढ़ का पानी निचली मंजिल की कक्षाओं में भर गया। आरोप है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के दौरे के कारण प्रशासनिक अधिकारी आवभगत की तैयारियों में फंसे रहे और बच्चे स्कूल में परेशान होते रहे। इस पर अभिभावकों ने नाराजगी जाहिर की। अब तीन दिन तक स्कूल बंद रखने का फैसला लिया गया है। राजस्थान, गुजरात, उत्तराखंड, दिल्ली, बिहार, हरियाणा, असम इन तमाम राज्यों में बाढ़, बारिश, भूस्खलन आदि की जितनी भी घटनाएं अभी हो रही हैं, या अतीत में हुई हैं, उनमें फौरी राहत के उपाय के अलावा और कोई गंभीर कदम नहीं उठाया जा रहा है, ताकि भविष्य में सुरक्षा का इँतजाम हो। इसे अब प्राकृतिक आपदा नहीं बल्कि मानव निर्मित आपदा की तरह मानकर दोषियों की शिनाख्त करने की जरूरत है, तभी ठोस समाधान निकल पाएगा या असल मायनों में बचाव कार्य हो पाएगा। हर बार बाढ़ या भू स्खलन के बाद लोगों को प्रभावित स्थानों से निकालने को अगर हमने बचाव कार्य माना तो फिर यह भी मान लेना चाहिए कि हम ऐसी आपदाओं को निमंत्रण दे रहे हैं। अधिकारी या सरकार में फैसले लेने वाले लोग नहीं आते हैं, उनके तो आरामगाहों में बारिश से बचने के लिए खूब जगह है और वो ऐसे मौसम का लुत्फ उठाते हैं। सरकारों को इस बात का दर्द नहीं है कि बारिश में कैसे बसी–बसायी जिंदगियां बह जाती हैं। मुख्यमंत्रियों को तो बाढ़ या बारिश का मुआयना करना होता है तो वे हेलीकॉप्टर पर सवार होते हैं। असली दिक्कत तो आम जनता को होती है। जिनकी अकाल मौत होती है, उनके पीछे पूरा परिवार प्रभावित होता है। मौत से बचे तो विस्थापन का दंश सहना पड़ता है। अपने घरों को छोड़कर राहत शिविरों में शरणार्थियों की तरह रहना पड़ता है। जतन से संजोई गृहस्थी उजड़ जाती है, तो कितनी तकलीफ होती है, इसे सरकार नहीं समझ सकती। न ही सरकार प्रकृति के इशारे को समझना चाहती है। बार–बार की बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं बता रही हैं कि पहाड़ों को काटकर या नदी की छाती कुचलकर वहां व्यावसायिक गतिविधियां करना मौत को दावत देने के समान है। प्रकृति खुलकर संकेत दे रही है कि इंसान संभल जाए और जंगलों का, खदानों का अंधाधुंध दोहन बंद करे। इस संकेत को सरकार समझे या अनदेखा करे, लेकिन जनता को जागना होगा, क्योंकि उसकी जान का ही सवाल है।

पहले से हो तैयारी

हिमालय क्षेत्र इस समय भयानक तबाही के दौर से गुजर रहा है। उत्तराखंड से लेकर जम्मू–कश्मीर तक, नदियां उफान पर हैं, पहाड़ दरक रहे हैं और जिंदगियां दांव पर लगी हैं। ये आपदाएं और जानमाल का नुकसान गंभीर चेतावनी है। जनजीवन पर असरः जम्मू में वैष्णो देवी धाम के पास हुए लैंडस्लाइड में मृतकों की संख्या 32 तक जा पहुंची है। यात्रा रोकनी पड़ी है और फंसे हुए यात्रियों को निकाल कर सुरक्षित घर पहुंचाने की कोशिश जारी है। जम्मू ने केवल 20 घंटों में ही 10 साल की सबसे ज्यादा बारिश देख ली। राज्य के कई हिस्सों में कमोबेश ऐसे ही हालात हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ग पर बताया कि भारी बारिश से आम जनजीवन प्रभावित हुआ है।

धराली से जम्मू तकः इस मॉनसून सीजन में यह सीन बार–बार दिख रहा है। इसी महीने की शुरुआत में उत्तराखंड के धराली में बादल फटने के बाद आए फ्लैश फ्लड ने पूरे कस्बे को तबाह कर दिया। फिर चमोली के थराली में आफत बरसी। जम्मू–कश्मीर के किश्तवाड़ में एक बार पहले भी, इसी 14 तारीख को बादल फटने से भारी तबाही मची थी। मचैल माता यात्रा के रास्ते पर आई प्राकृतिक आपदा की वजह से जन–धन की हानि हुई थी। भीड़ पर नियंत्रणः इन घटनाओं पर गौर करें तो आपदाओं में जान गंवाने वालों में बड़ी तादाद पर्यटकों की रही। धराली, उत्तराखंड के चार धाम में से एक, गंगोत्री के रूट पर पड़ता है। इसी तरह वैष्णो देवी के दर्शन के लिए सालभर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहती है। ये हादसे सबक हैं कि पहाड़ी क्षेत्रों में मौजूद भीड़भाड़ वाले पर्यटन और धार्मिक क्षेत्रों में ऐसे इंतजाम करने की जरूरत है, जिससे किसी अनहोनी की सूरत में लोगों को तुरंत निकाला जा सके। वॉर्निंग सिस्टमः प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनसे होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है। इसके लिए अर्ली वॉर्निंग सिस्टम को बेहतर करने की जरूरत है। बाढ़ और भूस्खलन के खतरे वाले इलाकों में लगातार निगरानी से खतरों की पूर्व सूचना मिल सकती है। मॉनसून के सीजन में पहाड़ों की यात्रा वैसे भी मुश्किल भरी हो जाती है, तो इस मौसम में यात्रियों की संख्या सीमित करने पर विचार किया जा सकता है। राहत पर फोकसः मौसम विभाग ने जम्मू–कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट दिया है। दूसरे राज्यों के पर्यटक और श्रद्धालु अब भी विभिन्न जगहों पर फंसे हुए हैं। अभी इन सभी की सुरक्षित घर वापसी और राहत–बचाव पर फोकस होना चाहिए।

'भारत–अमेरिका कृषि व्यापार

हरित क्रांति के दौर में इंदिरा गांधी के दूरदर्शी निर्णय, कृषि मंत्री सी. सुब्रह्मण्यम का सतत कार्यकाल और स्वामीनाथन जैसे प्रख्यात कृषि वैज्ञानिकों की सूझबूझ भरी सलाह के आधार पर अमेरिका के साथ हुई वार्ताएं, आज के भारत–अमेरिका कृषि व्यापार गतिरोध को समझने और सुलझाने के लिए ऐतिहासिक संदर्भ के साथ आंशिक मार्गदर्शन प्रदान कर सकती हैं। भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक संबंध लगातार व्यापक होने की संभावनाओं के बीच कृषि क्षेत्र इस साझेदारी का सबसे संवेदनशील और विवादास्पद हिस्सा बना हुआ है। अमेरिका लंबे समय से भारतीय कृषि बाजार में प्रवेश का दबाव बना रहा है, लेकिन भारत ने राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक कारणों से अब तक इसे बड़े पैमाने पर विदेशी आयात से सुरक्षित रखा है। छोटे और सीमांत किसान, पारंपरिक पारिवारिक खेती के साथ, भारतीय कृषि की रीढ़ हैं। भारत के कृषि क्षेत्र का महत्व केवल आर्थिक नहीं हैं, बल्कि यह 70 करोड़ से अधिक भारतीय नागरिकों के लिए आजीविका की वास्तविकताओं, अनिश्चितताओं के दौर में एक सहारा होने के साथ–साथ घरेलू राजनीतिक प्राथमिकताओं से भी जुड़ा हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था की आधारस्तंभ कृषि हिस्सेदारी (2022–23) में सकल मूल्य वर्धन का 18.4 फीसदी है। यही कारण है कि राजनीतिक दृष्टि से संवेदनशील इस क्षेत्र में समझौते की बहुत कम गुंजाइश रहती है। ।सेव त्मंक – भारत की नींव में दरारें, मोदी जिम्मेदार वर्ष 2024 में भारत ने अमेरिका से 1.6 अरब डॉलर के कृषि उत्पाद बादाम, पिस्ता, एथेनॉल, मक्का , कुछ प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, अन्य पशु आहार सामग्री आदि आयात किए। इसी कालावधि में भारत ने अमेरिका को 45.7 अरब डॉलर मूल्य के कृषि उत्पाद जैसे चाय, कॉफी और मसाले, बासमती चावल, प्रसंस्कृत फल–सब्जियां, ऑर्गेनिक तथा समुद्री खाद्य उत्पाद, तिलहन और दलहन निर्यात किये । कृषि क्षेत्र में भारत का व्यापार संतुलन अधिशेष में है। प्लेटो से अब तक डोनाल्ड ट्रम्प के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद भारत सहित अनेक विकासशील देशों के प्रति अमेरिका का दृष्टिकोण बदला है और वह तरह–तरह के आर्थिक दबाव इन देशों पर डाल रहा है। राष्ट्रपति ट्रम्प का कहना है कि भारत के कृषि आयात पर औसत शुल्क 39फीसदी है, जबकि अमेरिका में यह औसतन 5 फीसदी है। अमेरिका का तर्क है कि इन ऊंचे शुल्क और गैर–शुल्क बाधाओं (जैसे स्वच्छता व पौध–स्वास्थ्य मानक) से अमेरिकी उत्पादों को अनुचित रूप से रोका जाता है। ।सेव त्मंक – नैतिकता और सुशासन के भेष में शैतानियत भरा इरादा भारत ने आरंभ से ही अमेरिकी प्रशासन के साथ कूटनीतिक स्तर पर संवाद को प्राथमिकता दी और उसके आरोपों का संयमित व संतुलित उत्तर दिया। किंतु जब कृषि क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर वार्ता का गतिरोध समाप्त नहीं हो सका, तब घरेलू राजनीतिक परिस्थितियों और नीतिगत सिद्धांतों के मद्देनज़र भारत ने स्पष्ट कर दिया कि अपने कृषि क्षेत्र की सुरक्षा एक ऐसा राष्ट्रीय संकल्प है, जिस पर कोई समझौता संभव नहीं।

भारत का मानना है कि कृषि क्षेत्र खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण रोजगार के लिए अत्यंत संवेदनशील है, इसलिए इसे विदेशी आयात से सुरक्षा मिलनी चाहिए। अमेरिका जैसे देशों की कृषि भारी सब्सिडी पर आधारित हैकृजिससे उनका उत्पादन लागत कृत्रिम रूप से कम होता है और वे सस्ते में निर्यात कर सकते हैं। भारत के विश्व व्यापार संगठन दायित्व उसे संवेदनशील क्षेत्रों में संरक्षण की अनुमति देते हैं, भारत अचानक आयात बढ़ने या कीमत गिरने पर शुल्क बढ़ा सकता है और भारत मौजूदा शुल्क इन्हीं सीमाओं के भीतर रखता है। संभावित नुकसान हैं। भारत सरकार के नीति निर्माताओं का सोचना है कि अमेरिका के दबाव के चलते भारत सरकार को न्यूनतम समर्थन मूल्य , अनुदान और सार्वजनिक वितरण प्रणाली जैसे नीतिगत मामलों में कठोर व अलोकप्रिय फैसले लेने पड़ सकते हैं।

पचास फीसदी टैरिफ के प्रभाव

भारत में अमरीका का 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ भी लागू हो गया। अब अमरीका जाने वाले भारतीय सामान पर कुल 50 फीसदी टैरिफ देना पड़ेगा। भारत और ब्राजील पर सर्वाधिक 50 फीसदी टैरिफ थोपा गया है। जैसे ही अमरीका के गृह विभाग की अधिसूचना सामने आई, तैसे ही नुकसान और प्रभाव के आकलन और आंकड़े भी स्पष्ट होने लगे हैं। प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में एक महाबैठक बुलाई गई, जिसमें राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफवाद का मुकाबला करने के विकल्पों और रास्तों पर विमर्श किया गया। पहले अमरीका में प्रवेश करने वाले भारतीय उत्पादों एवं सेवाओं पर औसतन 3 फीसदी आयात शुल्क का भुगतान करना पड़ता था। वह टैरिफ अब 50 फीसदी कर दिया गया है, लिहाजा फासला बहुत बड़ा है। सरकार समूचे प्रभावित क्षेत्रों को सबसिडी, कर्ज अथवा बेल पैकेज नहीं दे सकती। फिर भी कोरोना दौर जैसे बंदोबस्त करने होंगे। आम आदमी की क्रय–शक्ति कम न हो, बाजार में मांग बरकरार रहे, ताकि लघु, सूक्ष्म स्तर के उद्योगों में भी उत्पादन निरंतर जारी रह सके। बेशक भारत की अर्थव्यवस्था के लिए यह चुनौती का दौर है। राष्ट्रपति ट्रंप की सोच समझ में नहीं आ रही कि वह भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी के संबंध चाहते हैं अथवा भारत को दबाव में झुका देना चाहते हैं? जर्मनी के एक बहुप्रसारित अखबार ने खबर छापी है कि ट्रंप ने चार बार प्रधानमंत्री मोदी को फोन किया, लेकिन प्रधानमंत्री ने बात नहीं की। हम इस खबर की पुष्टि नहीं कर सकते, लेकिन भारत अभी आंख से आंख मिला कर बात करने की मुद्रा में है। सवाल है कि भारत पर 50 फीसदी टैरिफ क्यों थोपा गया है, जबकि चीन पर 30 फीसदी, वियतनाम पर 20 फीसदी, यूरोपीय संघ और जापान पर 15–15 फीसदी टैरिफ लगाए गए हैं? बहरहाल टैरिफ लागू होने के बाद नोएडा, सूरत, तिरुपुर में वस्त्र उद्योग का उत्पादन ठप होने की खबर सामने आई, तो भारतीय निर्यातक संघ ने तुरंत मदद करने का आग्रह मोदी सरकार से किया। शुरुआती आकलन यह है कि टैरिफ का करीब 55 फीसदी निर्यात पर बुरा असर पड़ेगा।

निर्यात कम होने से डॉलर भी कम होगा, नतीजतन डॉलर–रुपए के समीकरण भी प्रभावित होंगे। विदेशी निवेश भी कम होगा। भारत और अमरीका के बीच 2024–25 में 131 अरब डॉलर से अधिक का कारोबार हुआ। उसमें करीब 87 अरब डॉलर का निर्यात भारत ने किया। वित्त–वर्ष 2025–26 में यह निर्यात घट कर 50 अरब डॉलर के करीब हो सकता है। यह बहुत गंभीर नुकसान होगा। करीब दो–तिहाई निर्यात, जो 60 अरब डॉलर का आंका गया है, 50 फीसदी टैरिफ के दायरे में आ जाएगा। यह श्रम–गहन वाले औद्योगिक क्षेत्रों– परिधान, वस्त्र, कालीन, झींगा मछली, रत्न–आभूषण और फर्नीचर आदि– पर हथौड़ा मारने जैसा होगा। सिर्फ कमीज का ही उदाहरण लें। 50 फीसदी टैरिफ लगने के बाद भारतीय कमीज पर 62 फीसदी, चीनी कमीज पर 42 फीसदी और वियतनामी कमीज पर 20 फीसदी टैरिफ लगेगा। अमरीकी बाजार में कोई भी महंगी कमीज क्यों खरीदेगा? संभव है कि मजबूरी में भारतीय कमीज के दाम कम करने पड़ सकते हैं! फार्मा की दवाइयां, स्मार्टफोन, पेट्रोलियम पदार्थ, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स आदि का कुल 30 फीसदी निर्यात 'टैरिफ–मुक्त' रखा गया है। करीब 4 फीसदी निर्यात (3.2 अरब डॉलर) में मुख्यतः ऑटो पार्ट्स हैं, जिन पर फिलहाल 25 फीसदी टैरिफ है। यदि ट्रंप के टैरिफवाद से उद्योगों पर बुरा असर पड़ता है, तो जाहिर है कि नौकरियां भी जाएंगी। नतीजतन रोजगार की समस्या कुछ विकट होगी। हालांकि कुछ औद्योगिक पंडितों के आकलन हैं कि भारत की जीडीपी का नुकसान, मौजूदा वित्त–वर्ष में, मात्र 0.8 फीसदी हो सकता है। यह एक छोटी तस्वीर पेश की जा रही है, क्योंकि निर्यात जीडीपी के 2 फीसदी के समान है। बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप ने चीन पर 200 फीसदी टैरिफ थोपने की धमकी जरूर दी है, लेकिन वह ऐसा कर नहीं सकेगा, क्योंकि चीन ने पलटवार किया, तो अमरीकी अर्थव्यवस्था के 'बारह बज' जाएंगे। भारत के प्रधानमंत्री मोदी को राष्ट्रपति ट्रंप से सीधे बात करनी चाहिए। मामले को नौकरशाहों और राजनयिकों के हवाले ही छोडना देशहित में नहीं है।

विवाद में 'आप' नेता की मौत

भड़के समर्थक जुटे अस्पताल पर, लगाया ये गंभीर आरोप– भगदड़ मे एसओ का सिर फटा

गोरखपुर,संवाददाता। आम आदमी पार्टी के नेता कुंज बिहारी की मौत की खबर पर रामपुर नया गांव से हॉस्पिटल के बाहर घूंघट में पहुंचीं महिलाओं ने उपद्रव शुरू कर दिया था। महिला पुलिस कर्मियों ने जब समझाने की कोशिश की तो उन्होंने विरोध करना शुरू कर दिया। दो दरोगा को महिलाओं ने खींचने की कोशिश भी की। इसके बाद जबरिया अस्पताल परिसर में घुसने की कोशिश की। इसी बीच भीड़ में मौजूद कुछ महिलाओं ने पुलिस कर्मियों को चप्पल भी दिखाए। पुलिस कर्मियों ने उनका वीडियो भी बनाकर रख लिया है। इस बीच कुछ ने पुलिस टीम पर पथराव कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मंगलवार पूर्वाह्न 11 बजे आप नेता कुंज बिहारी की मौत हो गई। भाई मनोज कुमार निषाद की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को समझा–बुझाकर शांत कराया। मौत के जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई का आश्वासन देकर शव को पोस्टमार्टम के लिए एंबुलेंस में रखने के दौरान बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने हंगामा शुरु कर दिया।

कुछ लोगों ने परिजनों और लोगों को गुमराह करते हुए कहा कि पुलिस मामले को हादसे का रूप दे रही है। यह जानकारी मिलते हुए भीड़ उग्र हो गई। इसके बाद धक्का–मुक्की करते हुए शव को एंबुलेंस से बाहर निकालने की कोशिश की। इस पर एसआई अनूप सिंह ने झूठी सूचना की बात कहते हुए उन्हें शांत होने की अपील की लेकिन वे मारपीट पर उतारू हो गए। यहीं नहीं भीड़ के साथ घूंघट में पहुंचीं महिलाओं ने पुलिस कर्मियों से अभद्रता करते हुए चप्पल दिखाकर माहौल और बिगाड़ने की कोशिश की। इस दौरान कुछ ने जबरिया अस्पताल परिसर में घुसने की भी कोशिश की। हालात बिगड़ता देख मौके पर तैनात महिला पुलिस बल ने मोर्चा संभालते हुए किसी तरह स्थिति को काबू किया तो कुछ ने पथराव शुरू कर दिया। इससे अफरा–तफरी मच गई। पुलिस ने वीडियो रिकॉर्डिंग कर उपद्रवी महिलाओं की पहचान करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

भीड़ ने अस्पताल प्रशासन के खिलाफ की नारेबाजी

कुंज बिहारी की मौत की खबर पर पहुंचे परिजनों और मोहल्लेवालों ने डॉक्टरों पर गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना था कि इलाज में लापरवाही के कारण कुंज बिहारी की जान गई है। भीड़ ने परिसर में अस्पताल प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी

शुरू कर दी। देखते ही देखते हालात बेकाबू हो गए और अस्पताल की खिड़कियों, दरवाजों और फर्नीचर में तोड़फोड़ की जाने लगी। अस्पताल प्रबंधन ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। गोरखनाथ थाना प्रभारी के साथ–साथ आसपास के कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। पुलिस ने परिजनों और भीड़ को समझाने की कोशिश की लेकिन वे मानने को तैयार नहीं हुए। परिजन मांग कर रहे थे कि आरोपियों के घर पर बुलडोजर चलाया जाए और उन्हें तत्काल गिरफ्तार किया जाए। इस बीच आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष विजय श्रीवास्तव भी पहुंच गए। भीड़ को तितर–बितर करने के लिए जब पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया तो मामला और बिगड़ गया। गुस्साई भीड़ ने पुलिस टीम पर ईंट–पत्थर बरसाना शुरू कर दिया। पथराव में गोरखनाथ थाना प्रभारी शशिभूषण राय का सिर फूट गया। वहीं एसआई रिषभ सिंह, अनूप सिंह व चिलुआताल थाने में तैनात एसआई हैप्पी सिंह को चोटें आईं। इधर अस्पताल के पास खड़े पांच अन्य राहगीर भी पथराव में घायल हो गए। साथी पुलिस कर्मियों ने घायल थाना प्रभारी को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां टांके लगाने के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई।

सीओ गोरखनाथ ने हालात को किया नियंत्रित

सर्किल की फोर्स व पीएसी के साथ मौके पर पहुंचे सीओ गोरखनाथ रवि सिंह ने हालात को नियंत्रित किया और परिजनों को शांत कराया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। आश्वासन दिया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस पूरी गंभीरता से काम कर रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। मृतक कुंज बिहारी तीन भाई–बहनों में दूसरे नंबर पर थे। बड़े भाई मनोज निषाद और छोटे भाई–बहन सरोज हैं। पत्नी रिंकी देवी और बच्चे दिव्यांशु व अयांश का रो–रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने आरोप लगाया कि एक ओर हमलावरों ने बेरहमी से हमला कर कुंज बिहारी की जान ली, दूसरी ओर अस्पताल ने समय पर उचित इलाज नहीं किया।

इलाके में तनाव, पुलिस तैनात

घटना के बाद अस्पताल व गांव में तनाव व्याप्त है। एहतियात के तौर पर अस्पताल के बाहर पुलिस तैनात कर दी गई है। वहीं प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर रखे हुए है। मृतक कुंज बिहारी राजनीति से भी जुड़े रहे हैं। ऐसे में घटना ने राजनीतिक रंग भी ले लिया है। आम आदमी पार्टी से जुड़े स्थानीय नेताओं ने प्रशासन पर लापरवाही और अपराधियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया है। वहीं, अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं ने भी घटना की निंदा की और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की।

वीडियो के जरिये उपद्रवियों पर कार्रवाई की तैयारी

हंगामा और पथराव के दौरान पुलिस कर्मियों ने कई वीडियो बनाए। इसके जरिये भीड़ को उकसाने और पथराव करने वालों की पहचान की जा रही है। पुलिस ने अब तक राजन निषाद, संजय निषाद, गोलू , जुगनू कुमार, अवधेश निषाद, रमेश समेत 12 से अधिक उपद्रवियों की पहचान कर ली है। पुलिस जल्द ही अन्य उपद्रवियों की पहचान कर उसके खिलाफ कार्रवाई करेगी।

यह हुआ था विवाद

रामपुर नयागांव निवासी कुंजबिहारी निषाद अपने भाई मनोज कुमार निषाद के साथ बिल्डिंग मटेरियल की दुकान चलाते थे। बीते 23 अगस्त को उनका साला हेमंत गांव के पास मकान बनवा रहे अभिषेक से 4200 रुपये बकाया लेने के लिए भेजा था। जहां अभिषेक ने यह कहकर लौटा दिया कि दूसरे स्थान से सस्ता मटेरियल मिल रहा है। आरोप है कि कुंजबिहारी देर शाम जब रुपये मांगने गए तो अभिषेक पांडेय ने अपने पिता हिमालय पांडेय व 10द्12 अन्य साथियों के साथ मिलकर उन्हें पीटकर घायल कर दिया। परिजन उन्हें उपचार के लिए पहले मेडिकल कॉलेज ले गए। इसके बाद उन्हें राजेंद्रनगर स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जांच में पता चला कि कुंजबिहारी के सिर की हड्डियां फ्रेक्चर हो गईं और कई नशे क्षतिग्रस्त हो गई थीं। डॉक्टरों ने 24 अगस्त को ऑपरेशन किया था।

सादे कागज पर हस्ताक्षर कराने का आरोप

मृतक के भाई मनोज का आरोप है कि कुंज बिहारी की मौत की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने उसकी पत्नी रिंकी से सादे कागज पर हस्ताक्षर करवाया। बाद में उसमें यह लिख दिया कि कुंजबिहारी सड़क हादसे में घायल हुआ था। हालांकि पुलिस ने परिजनों को दर्ज केस की कॉपी देते हुए झूठी सूचना होने की बात कही। इसके बाद परिजन लाउडस्पीकर से एनाउंसमेंट करते हुए लोगों से हंगामा न करने की अपील। लेकिन लोग उनकी अपीलों को दरकिनार करते हुए हंगामा करते रहे।

इन पर कुंज बिहारी ने दर्ज कराया था केस

मारपीट मामले में कुंज बिहारी ने दो नामजद समेत 12 से अधिक लोगों पर केस दर्ज कराया था। इसमें नामजद अभिषेक पांडेय, उसके पिता हिमालय पांडेय शामिल हैं। इसमें एक आरोपी सहजनवां निवासी अर्जुन को क्षेत्र से पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उससे पूछताछ चल रही है।

स्कूल जा रही छात्रा को ट्रक ने मारी टक्कर, मौत

रौंदा...चालक कूदकर भाग गया

मृतक छात्रा की फाइल फोटो

गोरखपुर,संवाददाता। क्षेत्र के राम–जानकी मार्ग पर टेढ़िया बंधे के पास 11 वीं की छात्रा रागिनी निषाद की तेज रफ्तार से जा रही गिट्टी लदी अनियंत्रित ट्रक की चपेट में आने से मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, क्षेत्र के मुहाल जलकर के महराजगंज टोला निवासी विनोद निषाद की 16 वर्षीय पुत्री रागिनी निषाद बुधवार की सुबह साढ़े सात बजे घर से साइकिल से बड़हलगंज स्थित शबनम मेमोरियल स्कूल जा रही थी। तभी राम–जानकी मार्ग पर टेढ़िया बंधे के पास बड़हलगंज की तरफ से जा रही तेज रफ्तार से जा रही गिट्टी लदी ट्रक ने अपना नियंत्रण खोते हुए सामने की तरफ से छात्रा को रौंद दिया। हादसे के बाद चालक मौके पर ही ट्रक को छोड़कर मौके से भाग निकला। घटना से थोड़ी दूरी पर ही राम–जानकी मार्ग के चौड़ीकरण का काम चल रहा है। मौके पर मौजूद पोकलेन मशीन से गिट्टी लदी ट्रक को सड़क किनारे पलटा कर घायल छात्रा को बाहर निकाला गया। उसके कमर से नीचे दोनों पैर पूरी तरह कुचल गए थे। घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। छात्रा को एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया, जहां चिकित्सको ने मृत घोषित कर दिया।

हादसे के बाद चालक मौके पर ही ट्रक को छोड़कर मौके से भाग निकला। घटना से थोड़ी दूरी पर ही राम–जानकी मार्ग के चौड़ीकरण का काम चल रहा है। मौके पर मौजूद पोकलेन मशीन से गिट्टी लदी ट्रक को सड़क किनारे पलटा कर घायल छात्रा को बाहर निकाला गया।

युवती को बाइक पर दिया लिफ्ट...सूनसान जगह ले जाकर किया सामूहिक दुष्कर्म

देवरिया,संवाददाता। कोतवाली के एक गांव की किशोरी सोमवार की रात में पास के चौराहा पर गई थी। वह अकेले अपने गांव लौट रही थी। इसी बीच एक युवक बाइक लेकर युवती के पास पहुंचा और उसे लिफ्ट देने के बहाने आरोप है कि जबरिया बाइक पर बैठाकर चौराहे पर स्थित अपने आवास पर लेकर चला गया। उस समय आवास पर कोई था नहीं। इसके बाद वह उसके साथ जबरिया दुष्कर्म किया। घर से किसी कार्य के लिए धनौती राय चौराहे पर गई एक युवती के साथ युवकों ने बीती रात सामूहिक दुष्कर्म किया। सुबह युवती ने पुलिस ने डायल 112 को सूचना दी। पुलिस ने आरोपित दो युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मौके पर पहुंचे पुलिस अधीक्षक ने पीड़िता से पूछताछ की। कोतवाली के एक गांव की किशोरी सोमवार की रात में पास के चौराहा पर गई थी। वह अकेले अपने गांव लौट रही थी। इसी बीच एक युवक बाइक लेकर युवती के पास पहुंचा और उसे लिफ्ट देने के बहाने आरोप है कि जबरिया बाइक पर बैठाकर चौराहे पर स्थित अपने आवास पर लेकर चला गया। उस समय आवास पर कोई था नहीं। इसके बाद वह उसके साथ जबरिया दुष्कर्म किया। इसी बीच उसने अपने एक अन्य मित्र को बुला लिया उसके बाद दोनों मिलकर उसके साथ दुष्कर्म किये। युवती घर की चहारदीवारी फादकर भाग निकली।

'गैंगस्टर' के हैं रिश्तेदार...तो हो जाएं तैयार

ऐसों की संपत्तियां भी जांची जाएंगी– हो सकती हैं जब्त

गोरखपुर,संवाददाता। डीजीपी ने संपत्ति को तीन वर्ग में बांटा है। चल में वाहन, नकदी, अचल में भवन, जमीन और तीसरा नया मूर्त/अमूर्त शामिल किया है। इसमें शेयर, क्रिप्टो, बांड को शामिल किया गया है। संपत्ति जांच के दौरान पुलिस देखेगी कि बदमाश के अपराध से पहले की संपत्ति कितनी थी और बाद में कितनी हुई। मूल निवास की तुलना में अधिक आलीशान मकान में रहने पर संपत्ति की जांच की जाएगी।

गैंगस्टर एक्ट की तरह ही दर्ज केस में बीएनएस की धारा 107 के तहत बदमाशों की चल–अचल संपत्ति की जांच के दौरान ऐसे रिश्तेदारों की संपत्ति की भी जांच की जाएगी, जिनकी आमदनी से ज्यादा संपत्ति हो। अगर ऐसा मिला तो यह माना जाएगा कि बदमाश ने अपराध से अर्जित रुपये से ही रिश्तेदार के नाम पर संपत्ति खरीदी है, उसे भी इस धारा के दायरे में लाकर जब्त किया जाएगा।

ऐसे मामलों में विवेचक को पूरा ब्योरा एसएसपी को उपलब्ध कराना होगा। अनुमति मिलने के बाद ही कार्रवाई की जाएगी। शेयर और क्रिप्टो करेंसी को भी पुलिस जब्त कर सकती है। कार्रवाई के लिए गिरोहबंद बदमाशों की दस बिंदुओं पर संपत्ति जांच के दौरान पुलिस शामिल करेगी, जिसके आधार पर उनकी संपत्तियों का ब्योरा जुटाकर कार्रवाई की जाएगी।

अभी तक पुलिस सिर्फ बैंक अकाउंट और जमीन, मकान, वाहनों पर ही कार्रवाई करती थी लेकिन अब डीजीपी ने जारी पत्र में साफ कर दिया है कि शेयर मार्केट के पैसे भी जब्त किए जाएंगे। डीजीपी ने संपत्ति को तीन वर्ग में बांटा है। चल में वाहन, नकदी, अचल में भवन, जमीन और तीसरा नया मूर्त/अमूर्त शामिल किया है।

इसमें शेयर, क्रिप्टो, बांड को शामिल किया गया है। संपत्ति जांच के दौरान पुलिस देखेगी कि बदमाश के अपराध से पहले की संपत्ति कितनी थी और बाद में कितनी हुई। मूल निवास की तुलना में अधिक आलीशान मकान में रहने पर संपत्ति की जांच की जाएगी।

रिश्तेदार के अलावा मित्रों की संपत्ति भी पुलिस देख सकती है कि उसने खुद की आमदनी से खरीदी है या फिर अपराधी ने उसके नाम का इस्तेमाल संपत्ति खरीदने में किया। डीजीपी ने पत्र में लिखा है कि जब्त की गई संपत्ति को न्यायालय से आदेश लेकर विवेचक 60 दिन के अंदर डीएम की अनुमति लेकर पीड़ितों में वितरित करने की प्रक्रिया करें।

कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने दी भाजपा को सलाह

गोरखपुर,संवाददाता। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ संजय निषाद ने एनेक्सी भवन सभागार में पत्रकार वार्ता कर की। उन्होंने कहा कि दिल्ली में हुए अधिवेशन में सर निषाद समाज एकजुट था। कुछ अहम फैसले लिए गए। उन्होंने कहा कि शुरू में हम अकेले थे कारवां आगे बढ़ता गया। काफी संघर्षों के बाद सफलता मिली। कैबिनेट मंत्री डॉक्टर संजय निषाद ने कहा कि भाजपा को सपा बसपा से आए इंपोर्टेड नेताओं से सावधान रहना चाहिए। मछुआ समाज के आरक्षण को लेकर दिल्ली में दसवीं स्थापना दिवस पर आवाज उठाया गया है। उन्होंने कहा कि हमने परिवारवाद नहीं किया। अपने बेटे को पद से हटाया है दूसरी पार्टी हटाकर देखे। उक्त बातें उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ संजय निषाद ने एनेक्सी भवन सभागार में पत्रकार वार्ता कर की। उन्होंने कहा कि दिल्ली में हुए अधिवेशन में सर निषाद समाज एकजुट था। कुछ अहम फैसले लिए गए। उन्होंने कहा कि शुरू में हम अकेले थे कारवां आगे बढ़ता गया। काफी संघर्षों के बाद सफलता मिली। पिछड़ों में हमारा नाम नहीं है। इसके लिए हम 75 जिलों में गए हैं संघर्ष किए हैं। 31 को हम जनजाति दिवस मनाएंगे। उन्होंने कहा कि हम लगातार आंदोलन कर रहे हैं 2013 से। रेल आंदोलन की हमें अनुसूचित जाति में लाने के लिए हम प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि शिल्पकारों को अनुसूचित जाति का दर्जा मिला है हमको नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि हम अभी बिहार दौरा भी करेंगे। एक सवाल के जवाब पर उन्होंने जयप्रकाश निषाद को हाथी से आए हुए का बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा अगर 403 का 403 टिकट के साथ समाज को देती है तो यह और अच्छा है। 2024 में कुछ नहीं मिला 2027 में आगे देखना है मांगने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि जयप्रकाश निषाद हमारी पार्टी में आए तो हम टिकट देंगे। उनका कहना था कि आरक्षण की आवाज़ उठाएं विधानसभा वगैरा हम उनके साथ चलेंगे, हम तैयार हैं। हम उनके पीछे चलने के लिए तैयार हैं। उनका कहना था कि समाज को सही दिशा में हम ले चल रहे हैं इसका लाभ भाजपा को मिल रहा है। उनका कहना था कि भाजपा को लगता है कि हमसे फायदा नहीं है तो वह गठबंधन तोड़ सकती है। कोई पार्टी कोई नेता घमंड में ना रहे।

बरेली में भाजपा विधायक ने राहुल गांधी पर की आपत्तिजनक टिप्पणी, फेसबुक पर पोस्ट की टोपी वाली तस्वीर

बरेली,संवाददाता। बरेली के नवाबगंज विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक डॉ. एमपी आर्य ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर ऐसी पोस्ट कर दी, जिस पर कई सोशल मीडिया यूजर ने कटाक्ष दिए। बरेली के नवाबगंज से भाजपा विधायक डॉ. एमपी आर्य ने फेसबुक पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की टोपी वाली तस्वीर पोस्ट कर दी। इस पर प्रतिक्रियाएं आनी शुरू हुईं तो दूसरी पोस्ट डालकर उन्होंने राहुल गांधी पर आपत्तिजनक टिप्पणी भी कर दी। डॉ. एमपी आर्य ने दो दिन पहले राहुल गांधी की टोपी लगाए हुए फोटो फेसबुक वॉल पर साझा की थी। लिखा था कि कैसे सौंप दें तेरे हाथों में वतन ये हिंदुस्तान का... हमने देखा है तेरी रैलियों में झंडा पाकिस्तान का। इस पर प्रतिक्रियाएं आनी शुरू हुईं तो कुछ ही घंटों बाद एक और पोस्ट डाल दी। इसमें प्रधानमंत्री की डिग्री सार्वजनिक करने की मांग पर राहुल को मंदबुद्धि बालक बताया है।

आर्य ने कहा कि मैं अक्सर सोशल मीडिया पर पोस्ट डालता रहता हूं। जहां तक राहुल गांधी को मंदबुद्धि कहने की बात है तो उनकी हरकतें ही कुछ इस तरह की हैं। खुद प्रधानमंत्री भी राहुल गांधी के लिए यह बात कह चुके हैं।

पोस्ट पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़

नवाबगंज विधायक डॉ. एमपी आर्य की पोस्ट पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई है। कुछ लोगों ने आपत्ति भी जताई। यूजर अनिल कुमार ने लिखा है कि आपको हिंदू–मुस्लिम ने मिलकर जिताया है, आप ऐसी पोस्ट न करें। विपिन ने लिखा है कि जो आप कह रहे हो वो सही है तो आपकी सरकार क्या कर रही है? तुरंत जेल भेजो। राहुल गांधी को मंदबुद्धि बालक बताने वाली पोस्ट पर भी लोगों ने कटाक्ष किए हैं। भगवन सरन नाम के युवक ने क्षेत्र के गन्ना किसानों का भुगतान दिलाने के लिए मेहनत करने की नसीहत दी है। देवेंद्र ने लिखा कि पीएम की डिग्री सही है तो दिखाने में क्या दिक्कत है? कुछ लोगों ने विधायक का समर्थन किया, लेकिन अधिकतर लोगों ने उनकी पोस्ट पर कटाक्ष किए। दोनों पोस्ट के स्क्रीनशॉट वायरल हो रहे हैं। पंचायत चुनाव से पहले इस तरह की पोस्ट डालना राजनीतिक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। भाजपा खेमे में भी कानाफूसी हो रही है।

पड़ोसी नूर से बीवी को हुआ प्यार

दोनों ने किया निकाह, इस हरकत से खफा पूर्व पति ने मार डाला महिला का शौहर

उन्नाव,संवाददाता। पुलिस के मुताबिक रात में ही अलग–अलग पुलिस टीमों को लगाकर हत्यारोपी नौशाद को हुसैन नगर चौराहा के पास से पकड़ लिया। हालांकि चर्चा यह भी है कि हत्यारोपी खुद चाकू सहित कोतवाली पहुंच गया था। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के कासिम नगर मोहल्ले में फोन पर बात करते घर जा रहे एसी मिस्त्री की पड़ोसी ने गुरुवार की रात 11:30 बजे चाकू से हमला कर हत्या कर दी। एसी मिस्त्री ने आरोपी की पत्नी से तीन साल पहले निकाह कर लिया था। इसी वजह से रंजिश मानता था। सूचना पर पहुंचे कोतवाल और फॉरेंसिक टीम ने जांच की। एएसपी ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। भाई की तहरीर पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

सदर कोतवाली के मोहल्ला कासिमनगर निवासी नूरआलम (40) एसी मिस्त्री था। भाई इरफान ने बताया कि पत्नी के मानसिक रूप से अस्वस्थ होने पर नूर आलम ने आठ साल पहले उसे तलाक दे दिया था। तीन साल पहले उसने मोहल्ले के ही नौशाद की पत्नी इरफाना से कोर्ट मैरिज कर ली। इसके विरोध में परिजनों ने नूरआलम को अलग कर दिया। इस पर नूर आलम घर के पास स्थित प्लॉट में मकान बनाकर इरफाना के साथ रहने लगा। नूरआलम ने शादी का सर्टिफिकेट सोशल मीडिया पर भी वायरल कर दिया। इससे नौशाद के परिचितों को भी पता चल गया। इससे नौशाद नूरआलम से रंजिश मानने लगा था। दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था।

पहले पति से हुआ बड़ा बेटा 22 साल का

इरफान के मुताबिक भाभी इरफाना कुछ समय से पहले पति नौशाद से भी बात करने लगी। पहले पति से हुए बच्चों से भी मिलती थीं। पहले पति से हुए तीन बच्चों में बड़ा बेटा करीब 22 साल का है। बताया कि नूरआलम की पहली पत्नी के बच्चे नहीं थे और ना ही इरफाना से कोई संतान हुई। गुरुवार की रात भाई किसी काम से गए थे। रात करीब 11:30 बजे किसी से फोन पर बात करते हुए आ रहे थे।

रास्ते में नौशाद ने चाकू से हमला कर भाई को लहूलुहान कर दिया। वह जैसे–तैसे घर पहुंचे और बहन रूसी को आवाज दी। भाई की हालत देख बहन चीख पड़ी। उसे बाइक पर बैठाकर जिला अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मां शायदा बानो, तीन बहनें और छोटा भाई बेहाल है। कोतवाली प्रभारी अजय सिंह ने फॉरेंसिक टीम के साथ पहुंचकर रात में ही घटना की जांच की। एएसपी अखिलेश सिंह भी घटनास्थल पहुंचे। घटनास्थल के पास ही लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज की जांच की गई तो नौशाद भागकर जाते हुए दिखा। उसके कपड़ों पर भी खून लगा था।

पुलिस के मुताबिक रात में ही अलग–अलग पुलिस टीमों को लगाकर हत्यारोपी नौशाद को हुसैन नगर चौराहा के पास से पकड़ लिया। हालांकि चर्चा यह भी है कि हत्यारोपी खुद चाकू सहित कोतवाली पहुंच गया था। कोतवाल अजय सिंह ने बताया कि भाई की तहरीर पर नौशाद के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर उसे जेल भेजा गया है।

आरोपी को नहीं पछतावा... बोला बहुत दिन झेला अपमान, खत्म कर दी कहानी

एसी मिस्त्री के हत्यारोपी नौशाद को अपने किए पर पछतावा नहीं है। कहा कि सामाजिक अपमान का घूंट कई साल से पी रहा था। बहुत दिनों से नूर आलम को खत्म करने की फिराक में था, मौका मिलते ही उसे मार दिया। अब जेल जाने का भी गम नहीं। बच्चे बड़े हैं, खुद कमाकर खा लेंगे।

गिरफ्तार कर कोतवाली लाए गए आरोपी नौशाद ने बताया कि अब दिल को सुकून मिला है। उसने बताया कि तीन साल पहले जब नूरआलम उसकी पत्नी इरफाना को बिना शादी किए साथ रखने लगा तो उससे दूर ले जाकर रहने के लिए कहा था। वह दूर जाने के बजाय मेरे घर से 25 मीटर दूर ही घर बनवाकर रहने लगा। बाद में कोर्ट मैरिज कर प्रमाणपत्र सोशल मीडिया पर भी वायरल कर दिया। इससे समाज में और बदनामी हुई। रोजाना पत्नी भी नजर आती थी। बच्चे भी बड़े हो गए हैं। उनसे भी लोग तरह–तरह की बातें करते थे, इसलिए हमेशा के लिए कहानी ही खत्म कर दी।

भाई का आरोप... पांच दिन पहले रची हत्या की सजिश

एसी मिस्त्री के भाई ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उसका कहना है कि पांच दिन पहले हत्यारोपी नौशाद उसकी भाभी (पूर्व पत्नी) से मिलने आया था, उसके बाद घटना को अंजाम दिया। उसने फिलहाल भाभी पर सीधा आरोप नहीं लगाया है लेकिन इसकी जांच की मांग की है। एसी मिस्त्री के छोटे भाई इरफान ने बताया कि करीब छह महीने पहले भाभी इरफाना और हत्यारोपी नौशाद की बात शुरू हो गई थी। ?नूरआलम के न रहने पर नौशाद उसके घर भी जाने लगा था। पांच दिन पहले नौशाद भाई के घर गया था। दोनों की कुछ बातें भी हुई थीं। भाई जब काम पर चला जाता था तब ऐसा होता था।

इरफान के मुताबिक यह नहीं पता था कि नौशाद मेरे भाई की हत्या कर देगा। जिस समय घटना हुई इरफाना अपने घर पर ही थी। सवाल यह उठता है कि घायल होने के बाद वह पत्नी के पास न जाकर मां के घर गया। इस पर भी तरह–तरह की चर्चाएं हैं।

मेरठ कचहरी में वकीलों ने हरियाणा की पुलिस को पीटा

मेरठ,संवाददाता। हरियाणा के कैथल जिले की पुलिस मेरठ कचहरी में पेशी पर आए बदमाश को पकड़ने आई थी। बदमाश और उसके साथ के लोगों ने अपहरण का शोर मचा दिया, वकीलों व लोगों ने पांच पुलिसवालों का दौड़ाकर पीटा। कचहरी परिसर में जानलेवा हमले के आरोपी को पकड़ने आई हरियाणा के कैथल जिले की पुलिस को वकीलों और लोगों ने बदमाश समझकर दौड़ाकर पीटा। लोगों ने सादा कपड़े में पहुंचे पुलिसकर्मियों की स्कॉर्पियो कार पर पथराव कर शीशे तोड़ दिए। हमलावर स्कॉर्पियो की चाबी निकाल कर ले गए।

इस दौरान आधे घंटे तक कचहरी परिसर में जमकर हंगामे और अफरा–तफरी का माहौल रहा। सिविल लाइन थाना पुलिस ने मौके पर पहुंच कर पांच सदस्यों की पुलिस टीम को बचाया और जानलेवा हमले के आरोपी को भी हिरासत में ले लिया। पुलिस के मुताबिक, हरियाणा के जनपद कैथल में सुखदेव नामक आरोपी जानलेवा हमला, आर्म्स एक्ट के मामले में वांछित चल रहा है। आरोपी वर्ष 2010 में मेरठ के हस्तिनापुर थाना क्षेत्र में हुई एक हत्या की घटना में भी जेल जा चुका है। हत्या के केस की मेरठ न्यायालय में सुनवाई चल रही है।

आरोपी सुखदेव की तलाश में कैथल पुलिस की एसडीयू (स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट) टीम भी लगी थी। उन्हें जानकारी मिली थी कि शुक्रवार को सुखदेव तारीख पर मेरठ कोर्ट में आएगा। कैथल पुलिस की एसडीयू के एएसआई तरसेन सिंह समेत पांच सदस्यीय टीम सुखदेव की तलाश में स्कॉर्पियो से मेरठ कचहरी पहुंची थी। कैथल पुलिस के सभी कर्मचारी वर्दी में नहीं थे। स्कॉर्पियो पर पुलिस लिखी चिट लगा रखी थी।

अपहरण का शोर मचाने पर वकील और लोगों ने पुलिस को घेरा

शुक्रवार शाम करीब 5: 40 बजे कैथल पुलिस की एसडीयू टीम ने कचहरी परिसर में 13 न्यायालय भवन के सामने से आरोपी सुखदेव को पकड़ लिया। उस समय सुखदेव के साथ अधिवक्ता और अन्य लोग भी थे। अचानक सादा कपड़ों में पांच पुलिसकर्मियों के पकड़कर ले जाने पर सुखदेव ने बदमाशों द्वारा अपहरण करने का शोर मचा गया।

आरोप है कि तभी लोग और वकील दौड़ पड़े और उन्होंने पुलिसकर्मियों को घेरकर पिटाई शुरू कर दी। पुलिसकर्मियों ने भागने का प्रयास किया तो पीछा कर भी पीटा गया। आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने अपने परिचय पत्र दिखाए लेकिन आरोपियों ने वो भी छीन लिए। हमलावरों ने टीम को स्कॉर्पियो समेत घेरकर पथराव व तोड़फोड़ की।

सूचना पर सीओ सिविल लाइन अभिषेक तिवारी ने भी मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। उन्होंने सभी को सिविल लाइन थाने भिजवाया। आरोपी सुखदेव को भी पुलिस ने हिरासत में लेकर सिविल लाइन थाने भेज दिया। हमला करने वाले आरोपियों के चाबी ले जाने के कारण सीओ ने क्रेन मंगवाकर उनकी स्कॉर्पियो को सिविल लाइन थाने भिजवाया। सीओ ने बताया कि अपहरण व बदमाशों के आने का शोर मचने पर वकीलों और अन्य लोगों ने पुलिस टीम से धक्का–मुक्की की है। तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

स्थानीय पुलिस को नहीं बताया

एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि हरियाणा पुलिस वर्दी पहनकर नहीं आई थी। पुलिस टीम ने संबंधित थाने में आमद भी नहीं कराई और न ही स्थानीय पुलिस को कार्रवाई के संबंध में जानकारी दी। कैथल पुलिस के अधिकारियों को भी जानकारी दे दी गई है। घटना के संबंध में अभी तहरीर नहीं मिली है।

75 दिन से स्कूल नही गईं चैताली, लचता में साथी शिक्षिकाएं, बीएसए ने शिक्षिका को किया निलंबित

अलीगढ़,संवाददाता। बीएसए की ओर से जारी आदेश के अनुसार वह 16 जून से गैरहाजिर हैं। उन्हें विद्यालय की ओर दो पत्र, इसके बाद खंड शिक्षा अधिकारी की ओर से दो पत्र व बेसिक शिक्षा अधिकारी की ओर से तीन पत्र भेजे गए। मगर न तो उन पत्रों का जवाब मिला, न उन्हें रिसीव किया गया। इस पर उन्हें बिना सूचना अनुपस्थित रहने पर निलंबित कर दिया गया।

सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय व सुर्खियों में रहने वाली बेसिक शिक्षा विभाग की शिक्षिका चैताली वार्ष्णेय 75 दिन से कहां गायब हैं। ये तथ्य शिक्षा विभाग के लिए बड़ा सवाल बना है। विभाग से लेकर उनके सहयोगी शिक्षकों तक के तमाम प्रयास के बाद भी उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा। न पत्राचार का कोई जवाब मिल रहा। इसके चलते लगातार अनुपस्थित रहने पर शुक्रवार को बीएसए ने शिक्षिका को निलंबित कर दिया है। हालांकि उनके पति का कहना है कि वह बीमार हैं। मेडिकल लगा रखा है। बेसिक शिक्षा परिषद के महानगर से सटे महुआ खेड़ा स्कूल में सहायक अध्यापिका के पद पर कार्यरत चैताली वार्ष्णेय मूल रूप से मित्र नगर की रहने वाली हैं। वर्तमान में वे स्वर्ण जयंती नगर इलाके में रहती हैं।

बीएसए की ओर से 29 अगस्त को जारी आदेश के अनुसार वह 16 जून से गैरहाजिर हैं। उन्हें विद्यालय की ओर दो पत्र, इसके बाद खंड शिक्षा अधिकारी की ओर से दो पत्र व बेसिक शिक्षा अधिकारी की ओर से तीन पत्र भेजे गए। मगर न तो उन पत्रों का जवाब मिला, न उन्हें रिसीव किया गया।

बीएसए द्वारा जारी निलंबन आदेश

इस पर उन्हें 29 अगस्त को बिना सूचना अनुपस्थित रहने पर निलंबित कर दिया गया। इधर, इससे पहले उनके साथियों की ओर से अनगिनत कॉल व व्हाट्सएप संदेश भेजे गए। मगर कोई जवाब नहीं मिला।

इधर, इनके इस तरह गायब होने को लेकर तरह तरह की चर्चाएं हैं। कोई मोबाइल नंबर बंद होने से जोड़ रहा है तो कोई कुछ कह रहा है। मगर विभाग में इसकी अधिकृत जानकारी नहीं है। महुआखेड़ा स्कूल की शिक्षिका चैताली वार्ष्णेय को लगातार अनुपस्थित रहने के चलते 29 अगस्त को निलंबित किया गया है। उनके द्वारा किसी तरह का न तो जवाब दिया गया। न संपर्क ही हो पा रहा है।–राकेश कुमार सिंह, बीएएस

ये थी चैताली वार्ष्णेय की एक पोस्ट

साथियों के अनुसार चैताली वार्ष्णेय ने अपने इंस्टा एकाउंट पर 11–12 जून को एक पोस्ट की थी, जिसमें उल्लेख था कि मेरे 747, जिसमें लास्ट आता है कि एसएमएस सर्विस को भारत सरकार द्वारा 8 जून के बाद से बंद कर दिया गया है, उस नंबर से अगर कोई संदेश प्रसारित किए जा रहे हैं तो वो, जिसने उन्हें बंद कराया उन्हीं के द्वारा किए जा रहे हैं। सूचना जनहित में जारी। मुझे बताना पड़ेगा क्योंकि कोर्ट में केस रजिस्टर हो चुका है। इससे पहले भी इन्होंने अपने इंस्टा एकाउंट पर भारत सरकार द्वारा नंबर बंद किए जाने संबंधी कुछ पोस्ट की हैं। इधर, इनका फेसबुक एकाउंट 27 जून तक सक्रिय रहा। इसके बाद 6 दिन पहले की एक पोस्ट हर हर गंगे के संदेश से परिवार के फोटो शेयर की गई है। इस पेज पर उनके 5 के फालोवर हैं। वहीं इंस्टा एकाउंट पर 594 फालोवर हैं।

पति बोले, बीमार हैं चैताली

इस संबंध में अमर उजाला ने जब उनके पति नूतन प्रकाश से फोन पर बात की तो उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी बीमार हैं। इस संबंध में पोर्टल पर विभाग को मेडिकल भी प्रेषित कर दिया गया है। बाकी अगर उन्हें निलंबित किया गया है तो वे शनिवार को विभाग जाकर इस विषय में जानकारी करेंगे।

जांच आयोग ने सीएम योगी को सौंपी संभल दंगों की रिपोर्ट

संभल दंगों की जांच रिपोर्ट सीएम योगी को सौंपी गई

लखनऊ,संवाददाता। इलाहाबाद हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति डीके अरोड़ा की अध्यक्षता में गठित जांच आयोग ने संभल दंगों की जांच रिपोर्ट सीएम योगी आदित्यनाथ को सौंप दी है।

उत्तर प्रदेश के संभल में हुए दंगों की जांच रिपोर्ट जांच आयोग ने गुरुवार को सीएम योगी आदित्यनाथ को सौंप दी है। 24 नवंबर 2024 को मस्जिद सर्वे के दौरान हिंसा हुई थी। इसकी जांच इलाहाबाद हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति डीके अरोड़ा की अध्यक्षता में गठित जांच आयोग को सौंपी गई थी। इसमें पूर्व डीजीपी एके जैन और सेवानिवृत्त अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद सदस्य बनाए गए थे। आयोग ने सीएम को जांच रिपोर्ट सौंप दी है। इस दौरान सीएम के प्रमुख सचिव संजय प्रसाद और प्रमुख सचिव (संसदीय कार्य) जेपी सिंह मौजूद रहे।

गोरखपुर में अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने राप्ती नदी के किनारे जमुआड़ गांव में पांच एकड़ में हो रही अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई बिना मानचित्र स्वीकृत कराए चहारदीवारी बनाकर प्लाटिंग करने पर की गई। जीडीए ने चेतावनी दी है कि बिना मानचित्र स्वीकृत कराए निर्माण करने वालों पर भी कार्रवाई होगी। डूब क्षेत्र में अवैध निर्माण के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

संवाददाता, गोरखपुर। गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने बुधवार को प्रशासन और पुलिस के साथ मिलकर डूब क्षेत्र में अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की। इस दौरान प्राधिकरण की टीम ने राप्ती नदी के किनारे ग्राम जमुआड़ में लगभग पांच एकड़ भूमि पर चहारदीवारी का निर्माण कर की जा रही अवैध प्लाटिंग को बुलडोजर से ध्वस्त करा दिया। साथ ही मौके पर घोषणा करा कर चेतावनी दी कि बिना मानचित्र स्वीकृत कराए संबंधित क्षेत्र में निर्माण कराने वालों भी कार्रवाई होगी। जिला प्रशासन की ओर से नामित मजिस्ट्रेट और चिलुआताल थाने की पुलिस और पीएसी बल के साथ जीडीए की टीम ने मौके पर पहुंच कार्रवाई की। प्राधिकरण के प्रभारी मुख्य अभियंता किशन सिंह ने बताया कि अंकित पांडेय की ओर से बिना तलपट मानचित्र स्वीकृत कराए ही डूब क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग की जा रही थी। उपाध्यक्ष आनंद वर्द्धन ने कहा कि डूब क्षेत्र में अवैध निर्माण और प्लाटिंग के खिलाफ अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा। जिला प्रशासन ने पहले से ही मलौनी और हार्वर्ट बांध किनारे के 24 गांव की भूमि की रजिस्ट्री पर सशर्त रोक लगा रखी है। साथ ही यह अनिवार्य कर रखा है कि गोरखपुर विकास प्राधिकरण और ग्रामीण क्षेत्र में होने की दशा में जिला पंचायत या नगर पंचायत से एनओसी के बिना किसी भी तरह का निर्माण इन क्षेत्रों में नहीं कराया जा सकता।

डूब क्षेत्र होने की वजह से जीडीए इन क्षेत्रों में मानचित्र नहीं स्वीकृत करता है। बावजूद इसके प्राधिकरण सीमा में आने वाले डूब क्षेत्र में कहीं पेट्रोल पंप बना लिया गया तो कहीं क्लीनिक, मकान, दुकान व अन्य व्यावसायिक निर्माण हो रहे थे, जिसपर प्रशासन और जीडीए ने सख्ती शुरू की है। कार्रवाई के दौरान सहायक अभियंता अनिल सिंह, राज बहादुर सिंह, संजीव तिवारी, ज्योति, अवर अभियंता रोहित कुमार, मनीष कुमार त्रिपाठी, प्रभात कुमार और राकेश कुमार आदि मौजूद रहे।

खतरे के निशान के पास पहुंचा गंगा और यमुना का जलस्तर

राहत शिविरों में बढ़ रही भीड़

प्रयागराज,संवाददाता। गंगा और यमुना उफान पर है। दोनों नदियों का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। फिलहाल जलस्तर बढ़ने की गति जारी है। बाढ़ का पानी शहर के गंगानगर, अशोक नगर, छोटा बघाड़ा, बेली, राजापुर सहित कई बस्तियों में पहुंच गया है। बाढ़ राहत शिविरों में लोगों की संख्या बढ़ रही है। प्रयागराज में गंगा और यमुना दोनों नदियों का जलस्तर 84 मीटर के पर पहुंच गया है। खतरे का निशान 84.734 पर है। बृहस्पतिवार को सुबह आठ बजे सिंचाई विभाग की ओर से जारी बाढ़ बुलेटिन के अनुसार नैनी में यमुना 84.9 मीटर और फाफामऊ में गंगा 84.39 मीटर पर बह रही हैं। जलस्तर में बढ़ोत्तरी फिलहाल जारी है। बाढ़ का पानी शहर की कई बस्तियों में पहुंच गया है। जिससे लोग पलायन कर रहे हैं। बाढ़ से दो हजार से अधिक परिवार प्रभावित हुए हैं। राहत शिविरों में प्रभावितों की संख्या बढ़ती जा रही है।

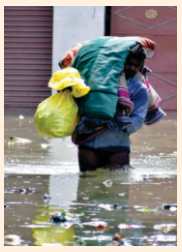

छह शिविर खुले, दो हजार से अधिक शरणार्थी पहुंचे

नदियों के जलस्तर में वृद्धि के साथ बाढ़ पीड़ितों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। करीब तीन दर्जन मोहल्लों के हजारों परिवार इसकी चपेट में आ गए हैं। प्रशासन के अनुसार, दो हजार से अधिक लोगों को बाढ़ राहत शिविरों में शरण लेनी पड़ी है। शिविरों में पहुंचने का क्रम देर रात तक जारी रहा।

11वी के छात्र की धड़ से अलग की गर्दन...

हाथ–पैर भी किए अलग, पॉलिथीन में लपेट फेंकी लाश; दादा ने इसलिए मारा

प्रयागराज,संवाददाता। छात्र की नृशंस हत्या के मामले में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। छात्र की नृशंस हत्या के आरोप में दादा को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी दादा ने अंधविश्वास के चलते भतीजे के बेटे को बेरहमी से मौत के घाट उतारा और फिर हाथ–पैर भी काटकर अलग कर दिए। पॉलिथीन में लपेटकर शव नाले में फेंक दिया। प्रयागराज के औद्योगिक क्षेत्र में सिर और हाथ–पैर काटकर शव फेंके जाने के मामले में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। मृतक की पहचान 11वीं के छात्र पीयूष उर्फ यश (17) के रूप में हुई। वह करेली के सदियापुर का रहने वाला था। पुलिस का दावा है कि इस जघन्य हत्याकांड को उसके ही रिश्ते में दादा लगने वाले शख्स ने अंजाम दिया। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

माता वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर हुए लैंडस्लाइड में दो बच्चों सहित यूपी के पांच और श्रद्धालुओं की मौत

मृतकों में दो बच्चे अनंत व दीपेश सगे भाई
रामवीरी और उनकी बेटी अंजलि की भी हुई मौत
परिवार जम्मू के लिए रवाना
पांच और लोगों की मौत से मुजफ्फरनगर में कोहराम
दो दिन पहले इंजीनियर के इकलौते पुत्र कार्तिक की भी हुई थी मौत

संवाददाता, मुजफ्फरनगर। वैष्णो देवी मंदिर मार्ग पर भूस्खलन की चपेट में आने से मुजफ्फरनगर के पांच और श्रद्धालुओं की मौत हुई है। इनमें रामपुरी कालोनी की मां–बेटी भी शामिल हैं। दो दिन पहले ही मुहल्ला रामलीला टीला निवासी इंजीनियर मिन्टू कश्यप के इकलौते पुत्र कार्तिक की भी मौत हुई थी। मालूम चला है कि रामपुरी कालोनी से गत रविवार को ही ट्रेन में सवार होकर 23 लोग माता वैष्णो देवी की यात्रा पर गए थे। वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर हुए भूस्खलन की वजह से रामपुरी कालोनी निवासी 48 वर्षीय रामवीरी, उनकी 21 वर्षीय बेटी अंजलि, सगे भाई अनंत व दीपेश कुमार पुत्रगण अजय कुमार और ममता देवी की भी मौत हो गई है। मृतका रामवीरी के पति इंद्रपाल का कहना है कि वह परिवार के लोगों के साथ जम्मू के लिए रवाना हो गए हैं। फोन पर उन्हें सूचना मिली कि भूस्खलन में घायल होने के बाद पत्नी व बेटी की मौत हो गई है। बता दें कि इंद्रपाल घर पर ही रहे थे, जबकि पत्नी और बेटी कालोनी के अन्य लोगों के साथ ट्रेन में सवार होकर वैष्णो देवी की यात्रा पर गई थीं। इंद्रपाल शूज विक्रेता की दुकान पर नौकरी करते हैं। इस हादसे की जानकारी होने पर रामपुरी कालोनी में शोक छा गया।

लापता और मृतक लोगों की सूची (जिला मुजफ्फरनगर)

1. अजय पुत्र देशराज (35 वर्षीय, लापता)
2. मोनी पत्नी अजय (32 वर्षीय, लापता)
3. अनंत पुत्र अजय (नौ वर्षीय, मृतक)
4. दीपेश उर्फ डमरू पुत्र अजय (छह वर्षीय, मृतक)
5. पूर्वी पुत्री अजय (चार वर्षीय, लापता)
6. मनतेश उर्फ ममता देवी पत्नी रविन्द्र (45 वर्षीय, मृतक)
7. रामवीरी पत्नी इंद्रपाल (45 वर्षीय, मृतक)
8. अंजली पुत्री इंद्रपाल (22 वर्षीय, मृतक)
9. डोली पत्नी मोनू (30 वर्षीय, लापता)
10. टुकटुक पुत्र सोनू (10 वर्षीय, लापता)
11. विहान पुत्र मोनू (11 वर्षीय, लापता)
12. अवनी पुत्री मोनू (08 वर्षीय, लापता)
13. लवी पुत्री मोनू (07 वर्षीय, लापता)
14. धर्मवीर पुत्र सोहनवीर (55 वर्षीय, लापता)
15. खुशी पुत्री मनोज (16 वर्षीय, लापता)
16. नैतिक पुत्र मनोज (12 वर्षीय, लापता)
17. राखी पत्नी बिट्टू (32 वर्षीय, लापता)
18. हनु पुत्र बिट्टू (आठ वर्षीय, लापता)
19. वैष्णवी पुत्री बिट्टू (1.5 वर्षीय, लापता)
20. संगीता पत्नी मुकेश (28 वर्षीय, लापता)
21. ऋणी पुत्र मुकेश (आठ वर्षीय, लापता)
22. आकांक्षा पुत्री रविन्द्र (16 वर्षीय, लापता)

वैष्णो देवी मार्ग पर हुए भूस्खलन में मुजफ्फरनगर के पांच और श्रद्धालुओं की मौत हो गई है। मृतकों की जारी सूची में उनके नाम अंकित हैं। सभी लोग मुहल्ला रामपुरी के रहने वाले हैं। इस मुहल्ले के लगभग 23 लोग यात्रा पर गए थे। इससे पूर्व मुजफ्फरनगर के इंजीनियर मिंटू कश्यप के बेटे कार्तिक की मृत्यु हो गई थी।

बिजली कंपनियों ने प्राइवेट संस्था को सदस्यता व चंदे में दे दिए 1.30 करोड़

उत्तर प्रदेश की बिजली कंपनियों ने एक निजी संस्था को सदस्यता और चंदे के रूप में 1.30 करोड़ रुपये दिए हैं जिसके बाद विवाद खड़ा हो गया है। उपभोक्ता परिषद ने नियामक आयोग में याचिका दायर कर जांच की मांग की है जिसमें पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष पर पद के दुरुपयोग का आरोप लगाया गया है। कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री से उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

लखनऊ,संवाददाता। घाटे में चल रहीं प्रदेश की बिजली कंपनियों ने प्राइवेट संस्था आल इंडिया डिस्कॉम एसोसिएशन को सदस्यता और चंदे के रूप में 1.30 करोड़ से अधिक दिए हैं। सदस्यता व चंदे की सूचना मिलने के बाद बुधवार को बिजलीकर्मियों के संगठनों और उपभोक्ता परिषद ने उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन प्रबंधन को कटघरे में खड़ा किया।

विद्युत उपभोक्ता परिषद ने सरकारी बिजली कंपनियों द्वारा निजी संस्था को सदस्यता और चंदे के रूप में इतनी बड़ी धनराशि दिए जाने पर विद्युत नियामक आयोग में याचिका दायर कर प्रकरण की जांच कराने की मांग की है। उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने नियामक आयोग में दायर याचिका में कहा है कि पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल इस प्राइवेट संस्था के महासचिव हैं।

उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग किया है। पावर कारपोरेशन के पूर्व अध्यक्ष व ऊर्जा सचिव रह चुके आलोक कुमार इस संस्था के महानिदेशक हैं। लिखा है कि प्रदेश के उपभोक्ताओं से वसूली जा रही बिजली बिल की धनराशि से किसी प्राइवेट संस्था को करोड़ों रुपये चंदा देना असंवैधानिक है। इस मामले की सीबीआई जांच कराई जानी चाहिए।

याचिका के माध्यम से आयोग को बताया है कि तीन जून को पावर कारपोरेशन के साथ ही पांचों विद्युत वितरण कंपनियों ने इस संस्था को सदस्यता व चंदे के रूप में 1,30,80000 रुपये दिए।

सभी बिजली कंपनियों ने अलग–अलग 21.80 लाख रुपये संस्था को दिए हैं। यह भुगतान उपभोक्ताओं से वसूले गए राजस्व में से किया गया है।भुगतान करने के लिए नियामक आयोग से कोई अनुमति नहीं ली गई है।

सवाल खड़ा किया है कि सरकारी क्षेत्र की बिजली कंपनियां किसी प्राइवेट संस्था को सरकारी राजस्व से चंदा कैसे दे सकती हैं।

आयोग से मांग की है कि इस खर्च का भार प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं पर ना पड़े, जो भी जिम्मेदार हैं उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए।

इस मामले में पावर कारपोरेशन अध्यक्ष से स्पष्टीकरण भी लिया जाए। वहीं इस प्रकरण पर पूछे जाने पर पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने कुछ भी बोलने से इनकार किया।

सीएम से मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग की है कि आल इंडिया डिस्कॉम एसोसिएशन के गठन से लेकर पावर कारपोरेशन और विद्युत वितरण निगमों द्वारा एसोसिएशन को चंदा दिए जाने के मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए।

हितों के टकराव को देखते हुए पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष आशीष गोयल को निर्देश दिया जाए कि वे डिस्कॉम एसोसिएशन महामंत्री का पद छोड़ दें नहीं तो उन्हें पावर कारपोरेशन अध्यक्ष के पद से हटाया जाए।

समिति ने बताया है कि पावर कारपोरेशन ने एसोसिएशन की सदस्यता के लिए जीएसटी मिलाकर 11.80 लाख रुपये का भुगतान किया है। सहयोग (चंदे) के रूप में 10 लाख रुपये का भुगतान अलग से किया है।

राहुल ने चुनाव आयोग पर फिर बोला हमला

गुजरात की गुमनाम पार्टियों के 4300 करोड़ चंदे पर उठाए सवाल

नई दिल्ली,एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने एक्स पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की। इसमें दावा किया गया है कि गुजरात में कुछ गुमनाम पार्टियों को, जिनके नाम किसी ने नहीं सुने हैं, उन्हें 4,300 करोड़ रुपये का चंदा मिला है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर चुनाव आयोग पर हमला बोला है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए चुनाव आयोग से सवाल किए हैं। राहुल गांधी ने जिस मीडिया रिपोर्ट को साझा किया है, उसमें दावा किया गया है कि गुजरात में कुछ 'अनाम दलों' को 2019–20 और 2023–24 के बीच 4,300 करोड़ रुपये का चंदा मिला है। राहुल गांधी ने आयोग पर तंज कसते हुए पूछा कि क्या चुनाव आयोग इसकी जांच करेगा या हलफनामा मांगेगा।

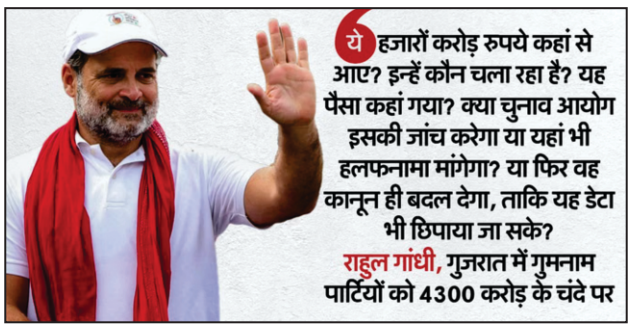

राहुल गांधी ने उठाये सवाल

लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने एक्स पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की। इसमें दावा किया गया है कि इन दलों ने तीन चुनावों 2019 और 2024 के लोकसभा चुनाव तथा 2022 के विधानसभा चुनाव में कुल 43 उम्मीदवार उतारे थे, जिन्हें मिलकर सिर्फ 54,069 वोट मिले। वहीं, इनकी चुनाव रिपोर्ट में इन पार्टियों का खर्च 39.02 लाख रुपये दर्ज है, जबकि ऑडिट रिपोर्ट में 3,500 करोड़ रुपये के खर्च का हिसाब दिखाया गया है।

क्या कानून बदल देगा चुनाव आयोग

एक्स पर हिंदी में लिखे पोस्ट में राहुल गांधी ने कहा कि गुजरात में कुछ गुमनाम पार्टियां हैं जिनके नाम किसी ने नहीं सुने हैं, लेकिन उन्हें 4,300 करोड़ रुपये का चंदा मिला है। उन्होंने यह भी कहा कि इन पार्टियों ने बहुत कम मौकों पर चुनाव लड़ा है या उन पर पैसा खर्च किया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने आगे चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए पूछा कि ये हजारों करोड़ रुपये कहां से आए? इन्हें कौन चला रहा है? यह पैसा कहां गया? क्या चुनाव आयोग इसकी जांच करेगा या यहां भी हलफनामा मांगेगा? या फिर वह कानून ही बदल देगा, ताकि यह डेटा भी छिपाया जा सके?

राहुल गांधी से चुनाव आयोग ने मांगा था हलफनामा

गौरतलब है कि राहुल गांधी ने हाल ही में मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप लगाया था। उस पर 17 अगस्त को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि कांग्रेस नेता या तो शपथपत्र देकर प्रमाण पेश करें या फिर देश से माफी मांगें।

जम्मू और कटरा में बाढ़ का कहर

लगातार बारिश के चलते अलग अलग घटनाओं में 41 की मौत

जम्मू–कश्मीर,एजेंसी। जम्मू–कश्मीर में बारिश को लेकर मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। वहीं उत्तर रेलवे ने बीते दिन कटरा, उधमपुर और जम्मू रेलवे स्टेशनों से आने–जाने वाली 58 ट्रेनें रद्द कर दी। माता वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर अर्धकुंवारी स्थित इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास भूस्खलन हुआ है। जिसमें अब तक 34 लोगों की मौत हो चुकी है।

जम्मू एवं कश्मीर में पिछले दो दिनों में रिकॉर्ड बारिश के कारण हुई तबाही के बाद अलग–अलग घटनाओं में मरने वालों की संख्या बढ़कर 41 हो गई है, जिनमें से अधिकांश लोग वैष्णो देवी तीर्थयात्रा मार्ग पर भूस्खलन के शिकार हुए हैं। बुधवार को बारिश में कुछ कमी आई, जिससे राहत कार्यों में तेजी आई।

जम्मू और कटरा से आने–जाने वाली 58 ट्रेनें रद्द

उत्तर रेलवे ने बुधवार को रिकॉर्ड बारिश से हुई तबाही के मद्देनजर जम्मू और कटरा स्टेशनों से आने–जाने वाली 58 ट्रेनों को रद्द करने का आदेश दिया, जबकि 64 ट्रेनों को मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर या तो पहले ही समाप्त कर दिया गया या फिर पहले ही रवाना कर दिया गया।

राष्ट्रपति ने हादसे को लेकर जताया दुख

राष्ट्रपति ने हादसे को लेकर दुख जताया है। उन्होंने एक्स अकाउंट पर लिखा कि, 'माता वैष्णो देवी मंदिर के यात्रा मार्ग पर हुए भूस्खलन में कई श्रद्धालुओं की मृत्यु होने की दुखद घटना अत्यंत कष्टदायक है। मैं शोक–संतप्त परिवारों के प्रति गहन संवेदना व्यक्त करती हूं तथा राहत व बचाव कार्य में सफलता की कामना करती हूं।'

सीएम उमर ने पीएम मोदी से की बात, दी हालात की जानकारी

जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने प्रदेश में आई आपदा को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी से बातचीत की है। सीएम ने कहा कि मैंने उन्हें जम्मू–कश्मीर के सबसे अधिक प्रभावित इलाकों की स्थिति के बारे में जानकारी दी। मैंने तवी नदी के किनारे जम्मू के उन हिस्सों का दौरा किया। जहां कल काफी नुकसान हुआ था। मैं जम्मू–कश्मीर के लोगों को निरंतर सहायता देने के उनके आश्वासन के लिए आभारी हूं।

डोडा में चार लोगों की मौत

डोडा के डिप्टी कमिश्नर हरविंदर सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि आज बारिश थमने की उम्मीद है। मौसम साफ हो सकता है। राजमार्गों को साफ करने और लोगों को राहत पहुंचाने का काम शुरू हो गया है। थाथरी व अन्य जगहों पर टीमें तैनात की गई हैं।

जम्मू से आया चांदनी का शव

फूट-फूटकर रोए परिजन, कटरा में भूस्खलन से हुई दो बहनों की मौत

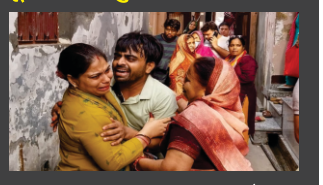

बागपत,संवाददाता। खेकड़ा निवासी चांदनी और मेरठ निवासी उसकी बड़ी बहन नीरू की कटरा में भूस्खलन से मौत हो गई। बृहस्पतिवार को दोनों के शव उनके घर पहुंचे और गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया। वैष्णो देवी दर्शन करने गई खेकड़ा के छोटा बाजार की रहने वाली चांदनी और मेरठ के मवाना निवासी उसकी बड़ी बहन नीरा की भूस्खलन होने से मौत हो गई थी। बृहस्पतिवार सुबह चांदनी का शव एंबुलेंस से खेकड़ा पहुंचा। मयंक गोयल के घर पर मोहल्ले के लोगों और रिश्तेदारों की भीड़ लग गई। गमगीन माहोल में चांदनी का अंतिम संस्कार कर दिया गया। लोग गमजदा परिवार को सांत्वना देते रहे। खेकड़ा के छोटा बाजार निवासी मयंक गोयल परिवार समेत वैष्णो देवी गए थे। लौटते समय कटरा में भूस्खलन हो गया। मयंक की पत्नी चांदनी (23) और साली नीरा (36) की मौत हो गई। बागपत में खबर पहुंचते ही परिवार में मातम छा गया।

मासूम फतेह को कोल्डड्रिंक में दिया जहर...

कारोबारी ने बेटे की हत्या कर पत्नी संग इसलिए दी जान

संवाददाता, शाहजहांपुर। सूदखोरों से परेशान कारोबारी ने पत्नी और चार साल के बेटे के साथ खुदकुशी कर ली। कारोबारी ने मासूम बेटे को कोल्डड्रिंक में जहर दिया। फिर नई रस्सियों से पत्नी और उसने खुदकुशी कर ली। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले से सनसनीखेज घटना सामने आई है। रोजा इलाके में सूदखोरों और कर्ज से परेशान दुर्गा एन्कलेव कॉलोनी निवासी हैंडलूम कारोबारी सचिन ग्रोवर (36) और पत्नी शिवांगी (34) ने चार साल के बेटे को जहर खिलाने के बाद फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। बेटे की भी मौत हो गई। कारोबारी के फोन में 13 पेज का सुसाइड नोट मिला है। इसमें ब्याज पर लिए गए कर्ज के अलावा अन्य देनदारियों का भी जिक्र है। मोहनगंज में संकट मोचन मंदिर के पास स्थित पानीपत हैंडलूम शोरूम के संचालक सचिन ग्रोवर पत्नी व बेटे फतेह के साथ अपने मकान में दूसरी मंजिल पर रहते थे।

भूतल पर रहने वाले बड़े भाई रोहित की पत्नी ज्योति से सचिन मंगलवार रात करीब 11:30 बजे मोबाइल फोन का चार्जर मांगने नीचे आए थे। उसके बाद उन्हें किसी ने नहीं देखा। बुधवार को मोहित उर्फ गौरव के नौ महीने के बेटे का नामकरण संस्कार कार्यक्रम गुरुद्वारे में था। उसमें शामिल होने के लिए सभी को जाना था।

फंदे से लटका हुआ था शिवांगी का शव

सुबह आठ बजे तक सचिन के नीचे नहीं आने पर मकान में साथ रहने वाली मां सीमा ने आवाज लगाई। कोई प्रतिक्रिया नहीं आने पर वह ऊपर पहुंचीं। अंदर झांककर देखा तो दृश्य देखकर चीख पड़ीं। शिवांगी का शव रस्सी के फंदे से लटका हुआ था। वहीं बेड पर फतेह का शव पड़ा था। ऊपर से कंबल डाला गया था। उसके मुंह से झाग निकल रहे थे।

सचिन के मोबाइल में मिला सुसाइड नोट

दूसरे कमरे में सचिन का शव लटक रहा था। इसके बाद भाभी ज्योति ने शोर मचाया। तब कॉलोनी के लोगों की भीड़ लग गई। सूचना पर रोजा थाने की पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस को 13 पेज का सुसाइड नोट सचिन के मोबाइल में मिला है। इसमें आर्थिक तंगी और लोगों की देनदारी का जिक्र है। सचिन की सास संध्या मिश्रा ने आरोप लगाया कि जिला उद्योग केंद्र से स्वीकृत ऋण के अनुदान के नाम पर दामाद को परेशान किया जा रहा था। कहा, 17 लाख के अनुदान में से आधी धनराशि की मांग की जा रही थी।

कपास का शुल्क-मुक्त आयात तीन महीने बढ़ा

सरकार ने कपास के शुल्क मुक्त आयात को तीन महीने बढ़ाकर 31 दिसंबर, 2025 तक कर दिया है

नई दिल्ली,एजेंसी। सरकार ने अमेरिका में 50 फीसदी के भारी शुल्क का सामना कर रहे कपड़ा निर्यातकों की मदद के लिए गुरुवार को कपास के शुल्क–मुक्त आयात को तीन महीने और बढ़ाकर 31 दिसंबर तक कर दिया। इससे पहले 18 अगस्त को वित्त मंत्रालय ने 19 अगस्त से 30 सितंबर तक कपास के आयात पर शुल्क छूट की अनुमति दी थी।

मंत्रालय ने बयान में क्या कहा?

गुरुवार को एक बयान में मंत्रालय ने कहा, 'निर्यातकों को और अधिक सहायता प्रदान करने के लिए केंद्र सरकार ने कपास (एचएस 5201) पर आयात शुल्क छूट को 30 सितंबर 2025 से बढ़ाकर 31 दिसंबर 2025 तक करने का निर्णय लिया है।' छूट में पांच फीसदी मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) और पांच फीसदी कृषि अवसंरचना एवं विकास उपकर (एआईडीसी) के साथ–साथ दोनों पर 10 फीसदी सामाजिक कल्याण अधिभार भी शामिल है। ऐसे में अब कपास पर कुल मिलाकर 11 फीसदी आयात शुल्क रह गया है।

निर्माताओं व उपभोक्ताओं को राहत की उम्मीद

इस कदम से सूत, कपड़ा, परिधान और मेड–अप सहित संपूर्ण कपड़ा मूल्य श्रृंखला में इनपुट लागत कम होने और निर्माताओं व उपभोक्ताओं, दोनों को आवश्यक राहत मिलने की उम्मीद है। अमेरिका ने कपड़ा, रत्न एवं आभूषण और चमड़ा सहित भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क (27 अगस्त से प्रभावी) लगा दिया है।

एंटरटेनमेंट डेस्क। सलमान खान के शो बिग बॉस के हर एक सीजन में एक से दो लव स्टोरी तो जरूर ही देखने को मिल जाती है. हालांकि, इनमें से कुछ के ही रिश्ते बाहर जाने के बाद भी टिकते हैं वर्ना शो से निकलते अलग हो जाते हैं.

बिग बॉस में कई कंटेस्टेंट तो सोच कर ही आते हैं कि उन्हें शो में जाकर अपना प्यार ढूंढना है. उन्हीं में से एक बिग बॉस 19 का ये कंटेस्टेंट भी है जो प्यार के लिए ओपन है.

ये कोई और नहीं बल्कि बसीर अली हैं. उन्होंने कहा कि अगर शो में उन्हें कोई पसंद आता है तो वो खुद को नहीं रोक पाएंगे. बिग बॉस में एंट्री से पहले एक इंटरव्यू के दौरान बसीर ने कहा था कि मैं रिलेशनशिप के लिए हमेशा ओपन हूं. मेरी पहली गर्लफ्रेंड 5वीं क्लास में बनी थी.

बसीर ने कहा कि वो किसी के लुक्स और टाइप के बीचे नहीं भागते हैं. वो इमोशन्स के जरिए कनेक्ट करते हैं और सामने से भी वैसा ही रिस्पॉन्स मिलता है तो बहुत अच्छा रहता है. एक्टर ने कहा कि कई बार मेरी मां और फैमिली मेरी गर्लफ्रेंड्स के बारे में कहते हैं कि ये तेरे टाइप की नहीं है तो मैं बस यही कहता हूं कि मुझे पसंद है ना तुम लोग साइड रहो।

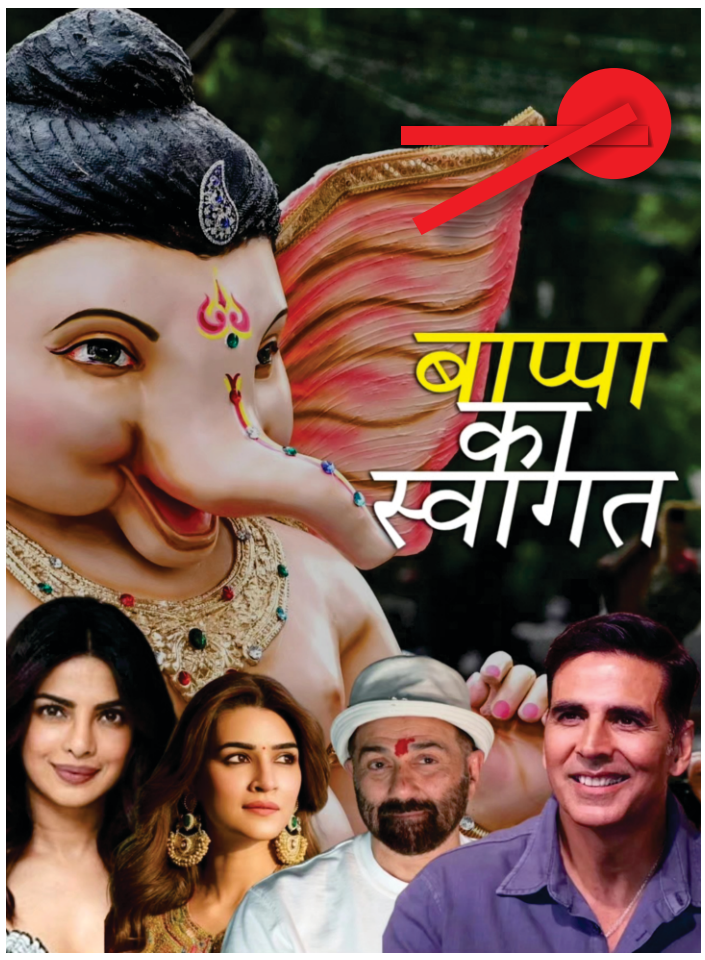

खुली तान्या मित्तल की पोल

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर तान्या मित्तल इन दिनों बिग बॉस 19 में नजर आ रही हैं. शो में जाते ही उन्होंने अपना असली रंग दिखाना शुरू कर दिया है. इसी बीच उन्हें एक्स बॉयफ्रेंड ने कई बड़े खुलासे किए हैं. बिग बॉस 19 का आगाज हो चुका है. इस सीजन के सबसे ज्यादा चर्चित कंटेस्टेंट्स में से एक मानी जा रही हैं तान्या मित्तल. शो में वो अपने एटीट्यूड की वजह से चर्चा में हैं. इसी बीच तान्या के एक्स बॉयफ्रेंड और यूट्यूबर बलराज सिंह ने उन पर कई तरह करे आरोप लगाए हैं. बलराज का कहना है कि तान्या फेक और दिखावा करने वाली हैं. बलराज ने कहा,' एक तरफ तो तान्या आध्यात्मिकता की बातें करती हैं और दूसरी तरफ चार–चार बॉयफ्रेंड एक साथ रखने की बातें करती है. इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि वो अपने स्टाफ के संग भी बुरा बर्ताव करती है.'

स्टैंडर्ड से मैच करने वाली चीजों की करती है तलाश

बलराज ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर ये सभी खुलासे किए हैं. बलराज का कहना है कि अपने ईगो को संतुष्ट करे के लिए तान्या रिश्ते निभाती है. उसका जब काम निकल जाता है तो वो लोगों को इस्तेमाल कर फेंक देती है।

इंटीमेट सीन की शूटिंग में डरी सेट छोड़कर चला गया था टीवी एक्टर किस सीन के लिए चर्चा में रही

एक जानी–मानी एक्ट्रेस ने इंटीमेट सीन फिल्माने का किस्सा शेयर किया है। उन्होंने बताया कि शूटिंग के दौरान वह बुरी तरह रोने लगी थीं और इसे फिल्माने से इनकार कर दिया था। यह जानकर एक्टर ने सेट छोड़कर जाने का फैसला किया। उनका किस सीन काफी चर्चा में रहा था।

एंटरटेनमेंट डेस्क। फिल्म हो या फिर टीवी... सिल्वर स्क्रीन में स्टार्स के बीच इंटीमेट सीन्स जो दिखता है, उसे फिल्माने के लिए अभिनेता या अभिनेत्री को किन उलझनों से गुजरना पड़ता है, यह वही जानते हैं। कभी–कभी स्टार्स एक–दूसरे को सहज महसूस कराने में सफल होते हैं, लेकिन कई बार सेट पर अजीब सा माहौल क्रिएट हो जाता है। कनिका मान के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ था।

'गुड्डन तुमसे ना हो पाएगा' एक्ट्रेस कनिका मान ने एक हालिया इंटरव्यू में अपने इंटीमेट सीन के बिहाइंड द सीन को याद किया है। उन्होंने बताया कि एक बार कैसे वह इंटीमेट सीन करने से पहले इतना डर रही थीं और रो रही थीं कि शर्म के मारे को–स्टार सेट से ही चला गया था।

अर्जुन बिजलानी–कनिका मान का किस सीन

कनिका मान ने 2022 में अर्जुन बिजलानी के साथ वेब सीरीज रूहानियत में काम किया था जिसमें उनका किस सीन काफी चर्चा में रहा था। अब फिल्मीज्ञान के साथ बातचीत में कनिका ने रिवील किया है कि अर्जुन के साथ इंटीमेट सीन शूट के दौरान वह रोने लगी थीं।

शूट के वक्त रोने लगी थी कनिका

कनिका मान ने कहा, "मैं उस सीन को करते हुए रो पड़ी। मैं सहज नहीं थी। सेट पर कई लोग होते हैं। हां ऐसे सीन शूट करते समय लोगों की संख्या कम कर दी जाती है, फिर भी यह अजीब था और मैं रोने लगी। मैंने उनसे कहा, 'इसे छोड़ देते हैं।'"

सेट छोड़कर चले गए थे एक्टर

शूट के दौरान कनिका मान के ऐसे बर्ताव से अर्जुन बिजलानी को इतनी शर्म आई कि वह सेट छोड़कर ही चले गए थे। उन्हें लगा कि कनिका उनकी वजह से डर रही हैं। इस बारे में कनिका ने कहा, "अर्जुन को कुछ अजीब लगा। उन्हें लगा कि उन्होंने मुझे असहज महसूस कराया है।"

अर्जुन बिजलानी संग अंतरंग सीन में डर गई थीं कनिका मान लगीं रोने तो शर्मिंदा हो सेट छोड़कर चले गए थे एक्टर

पॉपुलर टीवी एक्ट्रेस कनिका मान ने वेब सीरीज 'रूहानियत' में अर्जुन बिजलानी के साथ काम किया था। इस सीरीज का पहला सीजन साल 2022 में व्ज्ज प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर आया था, और दूसरा सीजन उसी साल जुलाई में प्रीमियर हुआ। इस सीरीज में कनिका मान और अर्जुन बिजलानी के बीच कुछ अंतरंग सीन्स थे, जिन्हें करने में एक्ट्रेस का बुरा हाल हो गया था। कनिका सेट पर ही रोने लगी थीं।

कनिका मान ने 'फिल्मीज्ञान' से बातचीत में यह खुलासा किया। साथ ही बताया कि जब वह रोने लगीं, तो अर्जुन बिजलानी शर्मिंदा होकर सेट छोड़कर चले गए। अर्जुन को लगा कि शायद कनिका उनकी वजह से असहज हो गई हैं।

कनिका मान ने सुनाया 'रूहानियत' के अंतरंग सीन का किस्सा

कनिका मान ने बताया, 'मैं उस सीन को करते हुए रोई थी। मैं सहज नहीं थी। सेट पर कई लोग होते हैं। हां, ऐसे सीन शूट करते समय लोगों की संख्या कम कर दी जाती है, लेकिन फिर भी, यह अजीब था और मैं रोने लगी। मैंने उनसे कहा कि इस सीन को रहने देते हैं।'

रोने लगी थीं कनिका तो सेट छोड़कर चले गए थे अर्जुन बिजलानी, हुए शर्मिंदा कनिका ने आगे बताया, 'अर्जुन को कुछ अजीब लगा। उन्हें लगा कि मैं उनकी वजह से असहज हो गई हूं। वह सेट छोड़कर चले गए। मैंने उनसे माफी मांगी। वह मेरे सीनियर हैं। उन्होंने मुझे बहुत कुछ सिखाया है। मैं उनका बहुत सम्मान करती हूं। मैंने अर्जुन से माफी मांगी और फिर वह सीन आराम से किया।' मालूम हो कि अर्जुन बिजलानी उम्र में कनिका मान से 11 साल बड़े हैं।

बीसीसीआई में बड़ा फेरबदल

रोजर बिन्नी ने छोड़ा पद, राजीव शुक्ला बने कार्यवाहक अध्यक्ष

दिल्ली,एजेंसी। राजीव शुक्ला बीसीसीआई के उपाध्यक्ष भी हैं और वह अगले महीने होने वाले बीसीसीआई के चुनाव तक कार्यवाहक अध्यक्ष बने रहेंगे। बिन्नी ने 2022 में सौरव गांगुली की जगह बीसीसीआई अध्यक्ष पद संभाला था। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) में एशिया कप से पहले बड़ा फेरबदल देखने को मिला है। बताया जा रहा है कि रोजर बिन्नी ने 70 वर्ष के होने के कारण पद छोड़ दिया है जिसके बाद राजीव शुक्ला को बोर्ड का कार्यवाहक अध्यक्ष बनाया गया है। हालांकि, बीसीसीआई की ओर से अभी इस मामले पर आधिकारिक जानकारी नहीं आई है।

भारतीय टीम अगले महीने यूएई में होने वाले एशिया कप में हिस्सा लेगी जिसके लिए कुछ दिन पहले 15 सदस्यीय टीम घोषित की गई थी।

बीसीसीआई चुनाव तक जिम्मेदारी संभालेंगे राजीव शुक्ला

राजीव शुक्ला बीसीसीआई के उपाध्यक्ष भी हैं और वह अगले महीने होने वाले बीसीसीआई के चुनाव तक कार्यवाहक अध्यक्ष बने रहेंगे। बिन्नी ने 2022 में सौरव गांगुली की जगह बीसीसीआई अध्यक्ष पद संभाला था। गांगुली ने अपना तीन साल का कार्यकाल पूरा किया था। तब बिन्नी

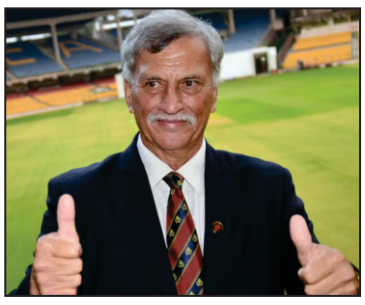

शीर्ष पद के लिए नामांकन दाखिल करने वाले एकमात्र उम्मीदवार थे। इससे पहले खबरें आई थी कि बिन्नी सितंबर में होने वाली बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) तक पद पर बने रहेंगे, लेकिन उन्होंने इससे पहले ही पद छोड़ दिया।

अध्यक्ष के रूप में बिन्नी का कार्यकाल

बिन्नी 19 जुलाई को 70 वर्ष के हो गए थे और नियमानुसार बीसीसीआई अध्यक्ष की उम्र 70 साल से अधिक नहीं होनी चाहिए। बिन्नी के बीसीसीआई अध्यक्ष बनने के बाद भारत ने दो सीमित ओवर प्रारूप के आईसीसी टूर्नामेंट जीते। भारत ने आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 अपने नाम किया था। बिन्नी के अध्यक्ष रहते ऐतिहासिक महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यू) की भी शुरुआत हुई। उनके अध्यक्ष रहते ही घरेलू क्रिकेट को बेहतर प्रोत्साहन मिला। खिलाड़ियों के वेतन में वृद्धि हुई और टीम इंडिया के सीनियर खिलाड़ियों को घरेलू टूर्नामेंटों में खिलवाने के लिए उचित और सख्त कदम उठाए गए।

1983 विश्व कप विजेता टीम के मुख्य खिलाड़ी रहे ऑलराउंडर बिन्नी ने 27 टेस्ट मैचों और 72 वनडे मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने टेस्ट मैचों में 47 विकेट लिए और पांच अर्धशतकों की मदद से 830 रन बनाए। 72 वनडे मैचों में उन्होंने 77 विकेट लिए और एक अर्धशतक की मदद से 629 रन बनाए। भारत को पहला वनडे विश्व कप (1983) जिताने में उनका अहम योगदान था। 1983 विश्व कप में 18 विकेट लेकर वह भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे। बिन्नी इससे पहले बीसीसीआई चयन समिति के सदस्य के रूप में काम कर चुके हैं।

दिल्ली प्रीमियर लीग के एलिमिनेटर मैच में विवाद

आपस में भिड़े खिलाड़ी, नीतीश-दिग्वेश में भी हुई कहासुनी

नई दिल्ली,एजेंसी। वेस्ट दिल्ली के बल्लेबाज कृष यादव की साउथ दिल्ली के कुछ खिलाड़ियों के साथ कहासुनी हो गई। वेस्ट दिल्ली लायंस और साउथ दिल्ली सुपरस्टार के बीच मैच में हुए विवाद ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। वेस्ट दिल्ली लायंस और साउथ दिल्ली सुपरस्टार के बीच शुक्रवार को खेले गए दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के एलिमिनेटर मैच में विवाद हो गया। इस मैच को वेस्ट दिल्ली सात विकेट से अपने नाम किया जिसमें कप्तान नीतीश राणा का योगदान अहम रहा। नीतीश ने लक्ष्य का पीछा करते हुए शतक लगाया और अपनी टीम को क्वालिफायर–2 मुकाबले का टिकट दिलवाया। हालांकि, इस मैच में हुए विवाद ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। दरअसल, वेस्ट दिल्ली के बल्लेबाज कृष यादव की साउथ दिल्ली के कुछ खिलाड़ियों के साथ कहासुनी हो गई थी।

क्यों हुआ विवाद?

यह घटना वेस्ट दिल्ली की पारी के 11वें ओवर में घटी जब कृष ने अमन भारती की गेंद पर शॉट लगाया, लेकिन अमनोल शर्मा ने कैच लेकर उनकी पारी का अंत कर दिया। जब कृष पवेलियन की ओर लौटने लगे तो अमन ने आक्रामक अंदाज में जश्न मनाया और कृष को कुछ कहने लगे। इसके बाद कृष उनकी तरफ बढ़े और कुछ कहने लगे जिसके बाद विवाद बढ़ गया। साउथ दिल्ली के खिलाड़ी सुमित माथुर भी इस विवाद में कूद पड़े और कहासुनी बढ़ गई। स्थिति को शांत कराने के लिए नीतीश राणा और एक महिला अंपायर ने हस्तक्षेप किया तथा कहासुनी कर रहे खिलाड़ियों को अलग किया। नीतीश ने सुमित के कंधे पर हाथ रखा और उन्हें अलग ले गए, जबकि महिला अंपायर ने कृष को डगआउट की ओर भेजा। वहीं, नीतीश राणा और दिग्वेश राठी के बीच भी तीखी कहासुनी हुई थी।

पेनाल्टी कार्नर से गोल दागकर चीन ने कर दिया था सन्नाटा

भारत ने फिर कैसे चीन को दी शिकस्त

न्यूज डेस्क। हरमनप्रीत ने बताया कि डिसअलॉ किए गए गोल से टीम का मोमेंटम जरूर प्रभावित हुआ, लेकिन शुरुआती मौके मिलना खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को बढ़ाता है। अगले मैच में हमारा मुख्य लक्ष्य यही रहेगा कि मौके मिलने पर उन्हें गोल में बदलें। राजगीर खेल परिसर में भारत और चीन के बीच हुआ हॉकी मैच दर्शकों के लिए रोमांच और उतार–चढ़ाव से भरपूर रहा। एशिया की दो कद्दावर टीमों की भिड़ंत में कुल सात गोल हुए और खास बात यह रही कि सभी गोल पेनाल्टी कॉर्नर पर दागे गए। इस रोमांचक मुकाबले में भारत ने आखिरी पलों तक दमदार खेल दिखाते हुए 4–3 से जीत दर्ज की। मैच के शुरुआती मिनटों में चीन ने बढ़त लेकर भारतीय दर्शकों को सन्न कर दिया। 12वें मिनट में चीन के शिहायो डू ने पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 1–0 कर दिया। हालांकि ज्यादा देर तक भारत दबाव में नहीं रहा।

भारतीय मुक्केबाजों का बेल्ट एंड रोड टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन

स्पोर्ट्स डेस्क। लक्ष्मी (46 किग्रा), राधामणि (60 किग्रा), हरनूर (66 किग्रा), ज्योति (75 किग्रा) और अंशिका (80 किग्रा से अधिक) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किए, जबकि चंद्रिका (54 किग्रा) को चीन की मुक्केबाजी से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय मुक्केबाजों ने चीन के शिनजियांग में तीसरे बेल्ट एंड रोड अंतरराष्ट्रीय युवा मुक्केबाजी टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए सात स्वर्ण सहित कुल 26 पदक जीते। लड़कियों की टीम ने फाइनल में दबदबा कायम करते हुए पांच स्वर्ण, पांच रजत और छह कांस्य पदकों के साथ दबदबा बनाया। लक्ष्मी (46 किग्रा), राधामणि (60 किग्रा), हरनूर (66 किग्रा), ज्योति (75 किग्रा) और अंशिका (80 किग्रा से अधिक) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किए, जबकि चंद्रिका (54 किग्रा) को चीन की मुक्केबाजी से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय मुक्केबाजों के बीच हुए 46 किग्रा, 60 किग्रा, 66 किग्रा और 80 किग्रा से अधिक

की श्रेणियों में अतिरिक्त रजत और कांस्य पदक सुनिश्चित हुए। लड़कों के वर्ग में भारत ने दो स्वर्ण, दो रजत और छह कांस्य पदक जीते। फलक (48 किग्रा) और उधम सिंह राघव (54 किग्रा) ने कजाकिस्तान के अपने प्रतिद्वंद्वियों पर शानदार जीत के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि ध्रुव खर्ब (46 किग्रा) और पीयूष (50 किग्रा) को करीबी मुकाबलों के हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

उदय सिंह (46 किग्रा), आदित्य (52 किग्रा), आशीष (54 किग्रा), देवेंद्र चौधरी (75 किग्रा), जयदीप सिंह हंजरा (80 किग्रा) और लोवेन गुलिया (80 किग्रा से अधिक) ने कांस्य पदक जीतकर पदक तालिका में योगदान दिया। भारत ने इस आयोजन में 58 सदस्यीय दल भेजा है जिसमें अंडर 17 वर्ग में 20 लड़के और 20 लड़कियां हैं जबकि साथ में 12 कोच, पांच सहयोगी स्टाफ, एक रेफरी और एक जज हैं।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

गत चैंपियन सबालेंका यूएस ओपन के दूसरे दौर में

राडुकानू ने पहला मैच जीता

अमेरिकी ओपन 2021 जीतने वाली एम्मा राडुकानू ने 18 वर्ष की उम्र में एक क्वालिफायर के तौर पर खिताब जीतने के बाद यहां पहली जीत दर्ज करते हुए जापान की क्वालिफायर एना स्निबाहारा को 6–1, 6–2 से मात दी। चार साल पहले खिताब जीतकर सभी को चौंका देने वाली राडुकानू 2022 में पहले दौर में हार गई, जबकि 2023 में कलाई और टखने के आपरेशन के कारण खेल नहीं सकी। पिछले साल भी वह पहले दौर में हार गई थीं। अब 22 साल की हो चुकी ब्रिटेन की राडुकानू ने इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन करते हुए रैंकिंग में 70वें से 36वां स्थान हासिल कर लिया।

स्पोर्ट्स डेस्क। अमेरिकी ओपन 2021 जीतने वाली एम्मा राडुकानू ने 18 वर्ष की उम्र में एक क्वालिफायर के तौर पर खिताब जीतने के बाद यहां पहली जीत दर्ज करते हुए जापान की क्वालिफायर एना स्निबाहारा को 6–1, 6–2 से मात दी।

गत चैंपियन एरिना सबालेंका ने स्विटरलैंड की रेबेका मासारोवा से मिली कड़ी चुनौती का सामना करके 7–5, 6–1 से जीत के साथ अमेरिकी ओपन के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। तीन बार की ग्रैंडस्लैम चैम्पियन और दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी सबालेंका इस साल पहले तीन ग्रैंडस्लैम में खिताब नहीं जीत सकी हैं।

उन्होंने कहा, 'मैं सत्र का समापन ग्रैंडस्लैम खिताब और नंबर वन रैंकिंग के साथ करना चाहती हूं।' अब उनका सामना पोलिना मुदेरमेतोवा से होगा जिन्हें फरवरी में दुबई में वह हरा चुकी हैं।